श्रावण कृष्ण - 7 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 348 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 17-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 राहुल गांधी को विदेश नीति के बारे में कुछ नहीं पता : भाजपा

6 छांगुर के इस्लामीकरण तंत्र को कैसे देखें ?

7 दर्शकों के प्यार में डूबीं सारा अली खान

फर्स्ट टेक

विमान में तकनीकी समस्या के कारण एअर इंडिया की लखनऊ-दुबई उड़ान रद्द

मुंबई/भाषा। लखनऊ हवाई अड्डे पर बुधवार सुबह एअर इंडिया एक्सप्रेस के एक बोइंग विमान में तकनीकी समस्या आ जाने के बाद शहर से दुबई जाने वाली उड़ान रद्द कर दी गई। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। उड़ान आईएक्स 193 को बोइंग 737 मैक्स विमान से संचालित किया जाना था। सूत्र ने बताया कि विमान में तकनीकी खराबी आ जाने के कारण लखनऊ-दुबई उड़ान रद्द कर दी गई। इस उड़ान में 155 से अधिक यात्री सवार होने वाले थे।

इंजन में खराबी के कारण इंडिगो का विमान आपात स्थिति में उतारा गया

मुंबई/भाषा। दिल्ली से गोवा जा रहे इंडिगो के एक विमान को इंजन में खराबी आ जाने के कारण यहां आपात स्थिति में उतारा गया। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। सूत्र ने बताया कि एयरबस ए320नियो विमान को रात नौ बजकर 52 मिनट पर आपात स्थिति में उतारा गया। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि विमान में कितने लोग सवार थे। सूत्र ने कहा, ''दिल्ली से गोवा जा रही इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई-6271 के लिए पूर्ण आपात स्थित घोषित की गई और एक इंजन में खराबी के कारण इसका मार्ग परिवर्तित कर इसे मुंबई लाया गया।''

आइसलैंड में ज्वालामुखी विस्फोट

लंदन/एपी। दक्षिण-पश्चिमी आइसलैंड में ज्वालामुखी विस्फोट के कारण स्थानीय निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर भेजना पड़ा है। राष्ट्रीय प्रसारक आरयूवी ने खबर दी है। आइसलैंड के मौसम विभाग ने बताया कि राजधानी रेक्जाविक के दक्षिण-पश्चिम में रेक्जानेस प्रायद्वीप पर तीव्र भूकंपीय झटकों के बाद बुधवार सुबह करीब चार बजे विस्फोट शुरू हुआ। भूकंपीय गतिविधि शुरू होने के तुरंत बाद ग्रिंडाविक शहर से लगभग 100 लोगों को निकाला गया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध 'ब्लू लैगून' भूतापीय स्पा से भी लोगों को हटाया गया।

हम भारत के साथ समझौते के बहुत करीब हैं : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि वाशिंगटन भारत के साथ व्यापार समझौते करने के ''बहुत करीब'' है। ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के कार्यालय 'ओवल ऑफिस' में बहरीन के प्रधानमंत्री एवं युवराज सलमान बिन हमद अल खलीफा के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान पत्रकारों से कहा, ''हम भारत के साथ समझौते करने के बहुत करीब हैं...।''

17-07-2025 सूर्यास्त 6:50 बजे | 18-07-2025 सूर्योदय 6:02 बजे

BSE	NSE
82,634.48 (+63.57)	25,212.05 (+16.25)

सोना	चांदी
10,284 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	116,534 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

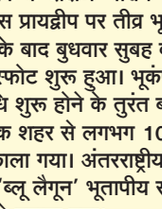

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बंदर बाँट

आजादी से पहले सारा,
यह देश बँटा जागीरों में।
जर जोरू और जमीन बँटी,
कातिल खूनी शमशीरों में।
अब बाँट रहे हैं सीटों में,
नेता जन को दलवीरों में।
सत्ताएं बदली ना बदला,
दुर्भाग्य लिखा तकदीरों में।।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को मंजूरी

सालाना 24,000 करोड़ रुपए के आवंटन वाली छह साल तक चलने वाली इस योजना से करीब 1.7 करोड़ किसान लाभान्वित होंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 100 जिलों में कृषि क्षेत्र के प्रोत्साहन के लिए सालाना 24,000 करोड़ रुपए के आवंटन वाली 'प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना' को बुधवार को मंजूरी दी। छह साल तक चलने वाली इस योजना से करीब 1.7 करोड़ किसान लाभान्वित होंगे। यह योजना 2025-26 के बजट में कृषि उत्पादकता बढ़ाने, फसल विविधीकरण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए 100 जिलों के विकास की घोषणा के अनुरूप है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए इस निर्णय की जानकारी दी।

वैष्णव ने संवाददाताओं से कहा कि 'प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना' 11 विभागों की 36 मौजूदा योजनाओं, अन्य राज्य योजनाओं और निजी क्षेत्र के साथ स्थानीय भागीदारी को समाहित कर कार्यान्वित की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस योजना से लगभग 1.7 करोड़ किसान लाभान्वित होंगे।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, इस योजना के क्रियान्वयन की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। ...प्रशिक्षण और जागरूकता अभियान अगस्त में शुरू होगा। उन्होंने कहा, हम इस योजना को अक्टूबर से लागू करेंगे, जब रबी की बुवाई शुरू होगी। चौहान ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में खाद्यान्न, बागवानी और दूध के उत्पादन में तीव्र वृद्धि के बावजूद राज्यों और जिलों के बीच उपज का अंतर है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, इस योजना का उद्देश्य कृषि उत्पादकता बढ़ाना, फसल विविधीकरण और पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाना, पंचायत एवं ब्लॉक स्तर पर फसलों की कटाई के बाद अनाज भंडारण बढ़ाना, सिंचाई सुविधाओं में सुधार और किसानों के लिए दीर्घकालिक एवं अल्पकालिक ऋण की उपलब्धता को सुगम बनाना है।

इस योजना का उद्देश्य कृषि उत्पादकता बढ़ाना, फसल विविधीकरण और पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाना, पंचायत एवं ब्लॉक स्तर पर फसलों की कटाई के बाद अनाज भंडारण बढ़ाना, सिंचाई सुविधाओं में सुधार और किसानों के लिए दीर्घकालिक एवं अल्पकालिक ऋण की उपलब्धता को सुगम बनाना है।

सरकार किसानों के जीवन में बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि 'धन-धान्य कृषि योजना' से पिछड़े जिलों में कृषि उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और किसानों की आय में भी वृद्धि होगी। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार किसानों के जीवन में बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है। मोदी ने कहा कि यह नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को मजबूत करने के भारत के प्रयासों को बढ़ावा देगा।

'उदयपुर फाइल्स' पर लगी रोक हटाने से उच्चतम न्यायालय का फिलहाल इनकार

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने उदयपुर में दर्जी कन्हैया लाल तेली की हत्या पर बनी हिंदी फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' पर लगी अदालती रोक हटाने से बुधवार को इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के अंतरिम रोक संबंधी आदेश में फिलहाल हस्तक्षेप से इनकार करते हुए कहा कि केंद्र सरकार निर्देशानुसार (दिल्ली उच्च न्यायालय के) फिल्म की जांच कर सकती है और तब तक ये मामला संबंधित याचिकाओं पर कोई सुनवाई के लिए लंबित रहेगा। पीठ ने अपने आदेश में कहा, हम मामले को लंबित रखेंगे।

ड्रोन और मानवरहित हवाई प्रणालियों में आत्मनिर्भरता भारत के लिए अनिवार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) अनिल चौहान ने बुधवार को कहा कि हाल के वैश्विक संघर्षों में यह बात सामने आई है कि कैसे ड्रोन ''युद्ध के रणनीतिक संतुलन को गैर आनुपातिक रूप से प्रभावित कर सकते हैं।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ड्रोन और काउंटर-अनमैन्ड एरियल सिस्टम (सी-यूएएस) (मानवरहित हवाई रोधी प्रणाली) में आत्मनिर्भरता भारत के लिए ''रणनीतिक रूप से अनिवार्य'' है।

यहां 'मानेकशॉ सेंटर' में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनरल चौहान ने यह भी कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने दिखाया है कि क्यों स्वदेशी रूप से विकसित मानव रहित हवाई प्रणालियां (यूएएस) और सी-यूएएस ''हमारे क्षेत्र और हमारी जरूरतों के लिए महत्वपूर्ण हैं''।

तेलंगाना 'मॉडल' पर जातिगत गणना कराए केंद्र : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कांग्रेस की अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) सलाहकार परिषद की बुधवार को हुई बैठक में केंद्र से तेलंगाना जाति सर्वेक्षण के मॉडल के आधार पर राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तावित जातिगत गणना कराने का आह्वान किया गया।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की अध्यक्षता में यहां हुई दो दिवसीय बैठक में इस संबंध में एक प्रस्ताव पारित किया गया।

सिद्दरामय्या ने परिषद में पारित प्रस्तावों को 'बेंगलूरु घोषणा' नाम देते हुए कहा,''जनगणना में प्रत्येक व्यक्ति और जाति के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक, रोज़गार, राजनीतिक पहलुओं को शामिल किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि दूसरा प्रस्ताव आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा को समाप्त करने का था, जिससे शिक्षा, सेवा, राजनीतिक और अन्य क्षेत्रों में ओबीसी के लिए उपयुक्त आरक्षण सुनिश्चित हो सके।

सिद्दरामय्या ने कहा कि बैठक में पारित तीसरे प्रस्ताव में कहा गया कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 15(4) के अनुसार निजी शिक्षण संस्थानों में ओबीसी के लिए आरक्षण होना चाहिए।

परिषद की बैठक में नेताओं ने इन मांगों पर जोर देने के लिए ''एक तीव्र और आक्रमक राष्ट्रव्यापी अभियान'' चलाने का भी संकल्प लिया।

इजराइल ने दमिश्क में सीरियाई रक्षा मंत्रालय के पास हमला किया

दमिश्क/एपी। इजराइली सेना ने बुधवार को कहा कि उसने दमिश्क में सीरियाई रक्षा मंत्रालय के प्रवेश द्वार के पास हमला किया। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब सीरिया के दक्षिणी शहर सुवेदा में सेना और दरोज़ सशस्त्र समूहों के बीच संघर्ष विराम टूट जाने के बाद झड़पें जारी हैं। संघर्ष शुरू होने के बाद से इजराइल ने सेना के काफिले पर सिलसिलेवार हमले किये हैं। इजराइल ने कहा कि वह दरोज़ की रक्षा के लिए ऐसा कर रहा है।

ऑनलाइन तत्काल टिकट बुकिंग के लिए आधार ओटीपी अनिवार्य : रेलवे

जम्मू/भाषा। रेलवे प्रशासन ने देश भर में तत्काल प्रणाली के तहत ऑनलाइन टिकट बुकिंग के लिए ओटीपी के माध्यम से आधार सत्यापन को आधिकारिक तौर पर अनिवार्य कर दिया है। एक वरिष्ठ रेलवे अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक उचित सिंघल ने घोषणा की कि 15 जुलाई से ऑनलाइन तत्काल बुकिंग के लिए आधार ओटीपी सत्यापन अनिवार्य हो गया है।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा

पहलगाम हमले के आतंकवादियों की पहचान हुई, ज्यादा दिन जिंदा नहीं रहेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को कहा कि पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों की पहचान कर ली गई है और जल्द ही उन्हें मार गिरा दिया जाएगा।

सिन्हा ने गांधी स्मृति में 'जम्मू-कश्मीर: शांति की ओर' विषय पर व्याख्यान देते हुए जोर देकर कहा कि कश्मीर घाटी में शांति भंग करने की कोई भी कोशिश कामयाब नहीं होगी। उन्होंने कहा, पहलगाम हमले के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए पाकिस्तान को कड़ी प्रतिक्रिया मिली। हमले को अंजाम देने वालों की पहचान कर ली गई है और मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि अब उनका जिंदा रहना मुश्किल है। अच्छी खबरें जरूर आएंगी, लेकिन कोई निश्चित तारीख बताना उचित नहीं होगा।

सिन्हा ने कहा कि पिछले पांच साल में विभिन्न आतंकवादी संगठनों के शीर्ष आका भी अब जिंदा नहीं रहे और उनका (आतंकियों का) भी यही हश्र होगा।

कश्मीर घाटी के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए एक हमले में आतंकवादियों ने 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

अगर मुझे कुछ हुआ तो सेनाध्यक्ष असीम मुनीर जिम्मेदार होंगे : इमरान खान

लाहौर/भाषा। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने बुधवार को अपनी पार्टी के सदस्यों से कहा कि यदि जेल में उनके साथ कोई भी अनहोनी होती है तो उसके जिम्मेदार सेनाध्यक्ष प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर होंगे।

खान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हाल के दिनों में, जेल में मेरे साथ होने वाला कठोर व्यवहार और भी बढ़ गया है। यही रवैया मेरी पत्नी बुशरा बीबी के खिलाफ भी अपनाया जा रहा है। यहां तक कि उनकी कोठरी का टीवी भी बंद कर दिया गया है। हम दोनों के सभी बुनियादी अधिकार चाहे वे मानवीय हों या कैदियों को दी गई कानूनी निलंबित कर दिए गए हैं।'' खान ने कहा कि ''इसके लिए जवाबदेही होनी चाहिए।''उन्होंने दावा किया कि वह पूरी तरह से जानते हैं कि एक कर्नल और जेल अधीक्षक ''असीम मुनीर के आदेश पर'' कार्रवाई कर रहे हैं।

तप हमारे जीवन में परिवर्तन लाता है : संतश्री बसंतमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के संजयनगर जैन स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री बसंतमुनिजी, अभिजीतमुनिजी ने कहा कि सत्संग का बहुत महत्त्व है। सत्संग से जीवन में परिवर्तन आता है। बसंतमुनिजी ने पुरातन और आज की पाक कला का अन्तर बताते हुए कहा कि आज के खाने में मिलावट है। तप करने से जीवन में सरलता, शुद्धता व शांति आती है। तप हमारे जीवन में परिवर्तन लाता है जो कि जीवन कल्याण के लिए आवश्यक है।संचालन संघ के मंत्री नीलेश बोहरा ने किया

गुरु दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु प्रवास पर आए राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को पुष्कर भवन में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तक श्री नरेशमुनिजी व शालिभद्रमुनिजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। गुरु पुष्कर जैन भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष नेमीचन्द सालेचा, महामंत्री महावीरचन्द मेहता आदि ने गहलोत का सम्मान किया।

श्रवण आरोग्यम मेडिकल शिविर में लाभान्वित हुए 20 साधु साध्वी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत।जीतो लेडीज विंग एपेक्स के तत्वावधान में श्रमण आरोग्यम टीम, जेएलडब्ल्यू गुजरात ज़ोन एवं जैन डॉक्टर्स फेडरेशन के संयुक्त सहयोग से शंखेश्वर तीर्थ पर श्रवण आरोग्यम मेडीकल शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 200 से अधिक साधु-साध्वी का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस मौके पर श्रवण आरोग्यम के चेयरमैन रमेश हरण, अध्यक्ष मलय शाह व उनकी टीम, जेएलडब्ल्यू श्रमण आरोग्यम की संयोजिका सुनीता गांधी एवं गुजरात ज़ोन संयोजिका संगीता शाह, संचालन टीम की पिंकी जैन, अनीता पिरगल, बिंदु रायसोनी एवं संगीता धानाश आदि ने व्यवस्था संभाली। इस पुण्य अभियान में जैन डॉक्टर्स फेडरेशन के 22 समर्पित चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

अक्षुद्र व्यक्ति हमेशा धर्म का विचार करता है : साध्वीश्री मयूरयशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी मयूरयशा श्रीजी ने शांतिचंद्रसूरीश्वरजी द्वारा रचित धर्म रत्न प्रकरण का वाचन करते हुए बताया कि क्षुद्र व्यक्ति परिणाम का विचार नहीं करता, उसका व्यवहार तुच्छ होता है, वह प्रेम नहीं बचाता पर पैसा बचाने की सोचता है, वह स्वार्थ प्रिय होता है। पापमती वाला व्यक्ति समय, स्थान, संजोग नहीं देखता है, हर दम पैसे के विचार, 24 घंटे पाप प्रवृत्ति करते रहता है, पाप रति वाला व्यक्ति समय मिले, संजोग मिले, कुछ दृश्य देखा, पाप का निमित्त मिला तो पाप में रत रहता है और जैसा पाप किया उसके हिसाब से उसकी अगली गति होती। पापमती यह दुर्गति का कारण है। इसके विपरीत अक्षुद्र व्यक्ति की परिणति धर्म में रती यानी हर समय, हर जगह , धर्म का विचार करता है, 24 घंटे धर्म के विचार चलते हैं , चाहे वह भोजन कर रहा हो, मंदिर में हो, दुकान में हो या घर पर हो, धर्म में रती यानी संजोग मिले, समय मिले धर्म करने का निमित्त मिले, धर्म करना और धर्म गति याने हर जगह पर दूसरों का सोचना, दूसरों का विचार करना, यह तीनों सद्गति के कारण है।

संत चमत्कार दिखाते नहीं, स्वतः घटित हो जाते हैं : संतश्री वरुणमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में मुनि डॉ वरुणमुनिजी ने कहा कि संत किसी जाति या धर्म का नहीं होता, वह तो सबका होता है। जिस प्रकार सूर्य हो या चंद्रमा, हवा हो या पानी, धरती हो या आकाश, वह सभी के होते हैं, किसी व्यक्ति विशेष के नहीं। इसी प्रकार यह सारा विश्व ही गुरु का परिवार है लेकिन इंसान ने गुरु को भी बांट दिया और धर्म को भी बांट दिया । संत तो पूजनीय होते हैं, उनका सत्कार होना चाहिए, उनके साथ देव जैसा व्यवहार होना चाहिए । संतों की अंतर आत्मा से जो आवाज निकलती है, वह कभी निष्फल नहीं होती । संत चमत्कार दिखाते नहीं, सहज में हो जाए, यह अलग बात है । इस दुनिया की दो रचनाएं ही अद्भुत है पहले श्रीमद् भागवत गीता की रचना, जो युद्ध के मैदान में हुई और दूसरी भक्तामर स्तोत्र की रचना, जो कैद की काल कोठरी में हुई। किंतु कैद के ताले तोड़ने के लिए उन्होंने भक्तामर की रचना नहीं की बल्कि भक्तामर की रचना इसलिए हुई कि कोई भी श्रद्धालु जो इसका जाप करें उसके कर्मों के ताले टूट जाए श्रद्धा सुदृढ़ होने का मतलब जिस प्रकार से आधा चार्ज प्लग में जाने पर फोन चार्ज नहीं होता, इसी प्रकार हमारे में श्रद्धा तो आई किंतु वह 100% नहीं आई। मुनिश्री रूपेशमुनि जी ने गीत की प्रस्तुति दी। प्रवचन के पश्चात सभा का संचालन संघ के अध्यक्ष राजेश भाई मेहता ने किया। अंत में उपप्रवर्तकश्री पंकजमुनिजी ने मंगल पाठ प्रदान किया ।

उर्दू को अनुचित रूप से सांप्रदायिक बनाया जा रहा है: महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि न्यायपालिका विभाजनकारी राजनीति से प्रभावित प्रतीत होती है। महबूबा मुफ्ती की यह टिप्पणी केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) द्वारा जम्मू-कश्मीर राजस्व (अधीनस्थ) सेवा भर्ती नियम 2009 के प्रासंगिक प्रावधानों के क्रियान्वयन पर रोक लगाने के बाद आई है, जिसमें नायब तहसीलदार के पद के लिए न्यूनतम योग्यता के रूप में उर्दू के ज्ञान के साथ स्नातक होना अनिवार्य है। तत्कालीन जम्मू-कश्मीर राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती ने रेखांकित किया कि उर्दू, एक मान्यता प्राप्त आधिकारिक भाषा है।

गोकर्ण गुफा से मिली रूसी महिला और बच्चों के पूर्व पति ने बच्चों के संयुक्त सरंक्षण की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गोकर्ण में जंगल के बीच एक गुफा में कुछ दिन पहले अपनी दो बेटियों के साथ रहती हुई मिली रूसी महिला नीना कुटिना के पूर्व पति और इजराइली नागरिक ड्रोर गोल्डस्टीन ने बेटियों का संयुक्त संरक्षण देने की मांग करते हुए दावा किया है कि वह उनका पिता है। गोल्डस्टीन ने बुधवार को 'पीटीआई वीडियो' से बातचीत में कहा, ''मैं बस हफ्ते में कुछ वक्त अपनी बेटियों से मिलना चाहता हूं और उनकी देखभाल भी करना चाहता हूं। मेरी चिंता यह है कि अगर वे अभी रूस चली गईं, तो उनसे संपर्क बनाए रखना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए, मैं चाहता हूं कि वे भारत में ही रहें।''

गोल्डस्टीन (38) ने बताया कि वह साल में लगभग छह महीने गोवा में रहते हैं। उन्होंने कहा कि वह पिछले कुछ वर्षों से कुटिना (40) से अलग रह रहे थे और कुछ महीने पहले वह बेटियों को लेकर गोवा छोड़कर चली गईं, तब से उनसे उनका संपर्क नहीं था। गोल्डस्टीन ने कहा, ''मैं उन्हें गोकर्ण के एक समुद्र तट पर ढूंढने में कामयाब रहा, लेकिन कुटिना ने मुझे मेरे बच्चों के साथ रहने देने से मना कर दिया, क्योंकि मैं अब उसके साथ नहीं रहता।'' उन्होंने कहा कि उनकी मुलाकात कुटिना से 2017 के आसपास गोवा में हुई थी और वे अलग होने से पहले तक भारत और यूक्रेन के बीच यात्रा करते रहे थे।

गोल्डस्टीन ने कहा कि इस साल मार्च में वह भारत से चले गए थे और युद्ध के कारण इससे पहले नहीं आ सके। उन्होंने कहा, ''जब मैंने यह खबर सुनी तो मैंने उनसे मिलने के लिए तुरंत बेंगलूरु के लिए उड़ान बुक करवाई।'' गोल्डस्टीन ने कहा कि कुटिना बच्चों की परवरिश अकेले ही करना चाहती हैं। उन्होंने दावा किया, ''कुटिना ने शुरुआत में ही मुझसे कहा था कि अगर मैं उसी घर में नहीं रहूंगा, तो मुझे उनसे बिल्कुल भी संपर्क नहीं रखना चाहिए।''

गोल्डस्टीन ने बताया कि कुछ महीने पहले जब पत्नी और बच्चियां गोवा से चली गई थीं तो उन्होंने पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने कहा, ''लेकिन अब मैं साझा संरक्षण के लिए प्रयास करना चाहता हूं।'' गोल्डस्टीन ने कहा कि वह कुटिना की मदद तब से कर रहे हैं जब उसने उनकी पहली बेटी को जन्म दिया था। उन्होंने आगे कहा, ''मैं उन्हें हर महीने पैसे देता हूं और फिर उनके साथ छह महीने बिताने के लिए भारत आ जाता हूं, क्योंकि बाकी छह महीनों के लिए मेरे पास अन्य जिम्मेदारियां होती हैं। इसके अलावा, वीजा भी सिर्फ छह महीने का ही होता है।''

गोल्डस्टीन ने कहा कि उनकी छोटी बेटी का जन्म भारत में हुआ था और कुटिना लगभग पांच वर्षों से यहां (भारत में) रह रही है। कुटिना गत 11 जुलाई को अपनी बेटियों प्रेमा (6) और अमा (4) के साथ कुमता तालुक की रामतीर्थ पहाड़ियों में एक एकांत गुफा में मिली थीं। उन्होंने कहा, ''जहां तक मैं समझता हूं, वह (अमा) भारत की नागरिक है और उसे निर्वासित नहीं किया जाना चाहिए।'' क्षेत्र में भूस्खलन के बाद पुलिस नियमित निरीक्षण कर रही थी तभी उसे गोकर्ण में एक गुफा के अंदर कुटिना दो बेटियों के साथ मिलीं।

राज ठाकरे ने उद्धव के साथ गठबंधन पर टिप्पणी करने से किया इनकार

नासिक/भाषा। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने अपने चचेरे भाई उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उबाठा) के साथ गठबंधन करने पर बुधवार को कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। राज ठाकरे ने दावा किया कि जो शब्द उन्होंने नहीं कहे थे, मीडिया के एक वर्ग ने उन शब्दों को गलत तरीके से उनके नाम से प्रचारित कर दिया।

राज ठाकरे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यदि वह कोई राजनीतिक बयान देना चाहते हैं तो वह संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर बयान देंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी ने 14 और 15 जुलाई को नासिक के इगतपुरी में चुनिंदा पदाधिकारियों के लिए एक सम्मेलन आयोजित किया था जहां उन्होंने पत्रकारों के साथ अनौपचारिक बातचीत की थी। मनसे प्रमुख ने कहा, ''पत्रकारों के साथ अनौपचारिक बातचीत में मुझसे मुंबई में पांच जुलाई की विजय उत्सव रैली के बारे में पूछा गया। मैंने कहा कि यह आयोजन मराठी मानुष की जीत का जश्न मनाने के लिए था और यह राजनीतिक नहीं था। फिर उन्होंने (पत्रकारों ने) पूछा कि शिवसेना (उबाठा) के साथ गठबंधन का क्या हुआ। इस पर मैंने जवाब दिया, क्या मुझे अभी आपके साथ गठबंधन के मामलों पर चर्चा करनी चाहिए?''

सरकार जन सेवा केंद्र संचालकों को कृत्रिम मेधा के क्षेत्र में देगी मुफ्त प्रशिक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि सरकार 'जन सेवा केंद्र' चलाने वाले 5.5 लाख से ज्यादा ग्रामीण उद्यमियों को कृत्रिम मेधा (एफआई) का मुफ्त प्रशिक्षण देगी।

वैष्णव ने जन सेवा केंद्र विशेष उद्देश्यीय इकाई (सीएससी एसपीवी) की 10वीं वर्षगांठ के मौके पर कहा कि इन्हें सरकार के भारत कृत्रिम मेधा मिशन के तहत प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें 10 लाख लोगों को एआई के क्षेत्र में प्रशिक्षण देने का प्रावधान है। उन्होंने कहा, ''आप सभी को मुफ्त में एआई प्रशिक्षण दिया जाएगा। हमने कृत्रिम मेधा मिशन के तहत लगभग 10 लाख लोगों को कुशल बनाने का लक्ष्य रखा है। सभी 5.5 लाख ग्रामीण स्तरीय उद्यमियों को प्रशिक्षण में प्राथमिकता दी जाएगी।'' इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने इस मौके पर सीएससी ग्रामीण उद्यमियों की राज्य-आधारित सरकारी सेवा केंद्रों को जन सेवा केंद्रों के साथ विलय करने की मांग को सामने रखा। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें अधिक आय सृजन के अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि सीएससी ग्रामीण उद्यमी अपने केंद्र में आधार से संबंधित कार्य का आवंटन चाहते हैं। वैष्णव ने सीएससी एसपीवी को राज्य-आधारित सेवा केंद्रों के विलय पर विवरण तैयार करने को कहा और ग्रामीण उद्यमियों को आश्वासन दिया कि वह राज्य सरकारों के साथ उनके विलय की संभावना पर चर्चा करेंगे।

आंध्र प्रदेश में लोगों की समस्याओं का समाधान करने वाली वाईएसआरसीपी एकमात्र पार्टी : जगन

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के विपक्षी नेता जगन मोहन रेड्डी ने बुधवार को कहा कि वाईएसआर कांग्रेस पार्टी राज्य में एकमात्र पार्टी है जो विभिन्न वर्गों के लोगों की चिंताओं को दूर कर रही है और तेलुगु देशम पाटी (तेदेपा) के नेतृत्व वाली राजग सरकार से उसके कथित धोखे पर सवाल उठा रही है। रेड्डी ने पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि वाईएसआर कांग्रेस पार्टी एकमात्र पार्टी है जो किसानों, महिलाओं, बेरोजगार युवाओं, छात्रों और सरकारी कर्मचारियों सहित विभिन्न वर्गों की चिंताओं पर ध्यान दे रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि एन चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली सरकार के तहत लोकतंत्र, कानून और व्यवस्था तथा समग्र राजनीतिक माहौल 'सवालों के घेरे'में आ गया है। वाईएसआरसीपी एकमात्र पार्टी है जो मुद्दे उठा रही है, खासकर 143 ''अधूरे चुनावी वादों'' के बारे में। उन्होंने कहा कि वाईएसआरसीपी लगातार महत्वपूर्ण मुद्दों पर विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही है, जिसमें 13 दिसंबर, 2024 को किसानों के लिए फसल बीमा की मांग और 24 दिसंबर, 2024 को बिजली दरों में बढ़ोतरी के खिलाफ राज्यव्यापी आंदोलन शामिल हैं।

तेलंगाना, आंध्र प्रदेश जल-बंटवारा विवाद को सुलझाने के लिए कई प्रस्तावों पर सहमत : रेवंत रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को कहा कि केंद्र ने राज्य और आंध्र प्रदेश के बीच लंबे समय से लंबित जल-बंटवारे के विवादों को सुलझाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर सहमति व्यक्त की है, जिसमें 'टेलीमेट्री' प्रणाली और नदी प्रबंधन बोर्ड का गठन करना शामिल है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल के साथ यहां हुई बैठक के बाद तेलंगाना के सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने पत्रकारों से कहा कि दोनों राज्य सभी जल परियोजनाओं और जलाशयों में पानी के इस्तेमाल को सटीक रूप से मापने के लिए 'टेलीमेट्री' प्रणाली लागू करने पर सहमत हो गए हैं जो लंबे समय से तेलंगाना की मांग रही है। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश ने इस कदम पर सहमति जताई है। 'टेलीमेट्री' प्रणाली में, विभिन्न प्रकार के सेंसर का इस्तेमाल आंकड़े एकत्र करने के लिए किया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक महत्वपूर्ण सफलता के रूप में, दोनों राज्य हैदराबाद में गोदावरी नदी प्रबंधन बोर्ड (जीआरएमबी) और आंध्र प्रदेश में कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड (केआरएमबी) का गठन करने पर भी सहमत हुए हैं। ये बोर्ड कृष्णा और गोदावरी नदी प्रणालियों के अंतर्गत जल आवंटन और उपयोग की निगरानी में मदद करेंगे, जो 2014 में आंध्र प्रदेश के विभाजन के बाद से विवादास्पद मुद्दे रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा उचित समय पर : जितेंद्र सिंह

प्रधानमंत्री पर भरोसा करना चाहिए

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा उचित समय पर बहाल किया जाएगा और सभी को इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए सार्वजनिक आश्वासन पर भरोसा करना चाहिए।

'पीटीआई' के साथ एक विशेष वीडियो साक्षात्कार में सिंह ने कांग्रेस के शीर्ष नेताओं मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री को लिखे गए उस पत्र को भी ''अप्रासंगिक'' बताकर खारिज कर दिया, जिसमें जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए संसद के आगामी मानसून सत्र में एक विधेयक लाने की मांग की गई थी। सिंह ने कहा, ''मुझे लगता है कि यह प्रश्न बहुत प्रासंगिक नहीं है, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने खुद एक से अधिक बार सार्वजनिक रैलियों में कहा है कि भारत सरकार जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने के लिए प्रतिबद्ध है और यह उचित समय पर होगा।'' वह कांग्रेस अध्यक्ष खरगे और नेता प्रतिपक्ष गांधी द्वारा लिखे गए पत्र तथा इस संबंध में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा की गई मांगों पर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे।

वर्ली झुग्गी पुनर्विकास परियोजना में कई अनियमिताएं : आदित्य ठाकरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) विधायक आदित्य ठाकरे ने बुधवार को वर्ली की एक झुग्गी बस्ती के पुनर्विकास परियोजना में ''अनियमितता'' का आरोप लगाते हुए महाराष्ट्र सरकार से सुधारात्मक कार्रवाई की मांग की।

सुभेदार रामजी अंबेडकर नगर का प्रस्तावित पुनर्विकास कार्य शुरू नहीं हो सका था, क्योंकि पिछले 15 वर्षों में कई 'डेवलपर्स' ने इसमें से हाथ खींच लिए थे। यह परियोजना विवादों में तब घिर गई जब भूमि आवंटन, दस्तावेजों के गुम होने तथा राजकोष को वित्तीय नुकसान जैसे आरोप लगे। हाल में निर्माण कार्य शुरू होने के साथ ही ठाकरे ने विधानसभा में यह मामला उठाया और दावा किया कि कई विसंगतियां सामने आई हैं, जिनमें पिछले छह महीनों से परियोजना से प्रभावित निवासियों को किराए का भुगतान न करना भी शामिल है। ठाकरे ने कहा, ''झुग्गीवासियों को दिखाए गए मूल प्रारूप योजना को बिना उचित सूचना या अनुमति के बदल दिया गया।''

एअर इंडिया विमान हादसे की पूर्ण जांच से पहले दोषारोपण ठीक नहीं : एफआईपी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। पेशेवर पायलट के संगठन फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स (एफआईपी) ने एअर इंडिया बोइंग 787 विमान दुर्घटना की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि गहन, पारदर्शी और आंकड़ों पर आधारित जांच से पहले दोषारोपण करना ''समय से पहले और गैर-जिम्मेदाराना'' है।

एफआईपी ने बुधवार को एक बयान में मीडिया, टिप्पणीकारों और अधिकारियों सहित सभी हितधारकों से आग्रह किया कि वे ''आंशिक आख्यानों का प्रसार करने या निराधार धारणाएं बनाने से बचें''। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने 12 जून को हुई दुर्घटना पर अपनी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में कहा कि टाटा समूह द्वारा संचालित एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 171 के उड़ान भरने के तुरंत बाद एक सेकंड के अंतराल में इंजन के ईंधन स्विच बंद हो गए थे, जिससे कॉकपिट में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई थी। इस दुर्घटना में 260 लोग मारे गए थे।

दुर्घटना की जांच की शनिवार को जारी 15 पृष्ठों की प्रारंभिक रिपोर्ट में कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डिंग का हवाला देते हुए कहा गया है कि एक पायलट ने पूछा कि स्विच क्यों बंद किया गया, तो दूसरे पायलट ने जवाब दिया कि उसने ऐसा नहीं किया था।

एफआईपी के अध्यक्ष सी. एस. रंधावा ने बयान में कहा, ''सबसे पहले, हम जांच प्रक्रिया से पायलट प्रतिनिधियों को बाहर रखे जाने पर अपना असंतोष दर्ज कराना चाहते हैं। हम प्रारंभिक रिपोर्ट की व्याख्या और सार्वजनिक प्रस्तुति के तरीके पर भी कड़ी आपत्ति जताते हैं।''

एलएटी एविएशन ने कोई निजी विमान नहीं खरीदा : दीपिंदर गोयल

नई दिल्ली/भाषा। इटर्नल (पूर्व में ज़ोमैटो) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) दीपिंदर गोयल ने बुधवार को स्पष्ट किया कि उनके द्वारा समर्थित स्टार्टअप एलएटी एविएशन ने 'कोई निजी विमान नहीं खरीदा है।' इससे पहले, एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि गोयल समर्थित एलएटी एयरोस्पेस ने एक बॉम्बार्डियर ग्लोबल विमान खरीदा है। सुरोभी दास द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित स्टार्टअप क्षेत्रीय विमानन क्षेत्र में कार्यरत है। गोयल ने पोस्ट में कहा, जो लोग 'क्लिकबेइटी हेडलाइन्स' (सनसनीखेज एवं भ्रामक शीर्षक) से अधिक तथ्य चाहते हैं, उनके लिए बता दूं कि एलएटी एक स्टार्टअप है और उसने कोई निजी विमान नहीं खरीदा है। एलएटी क्षेत्रीय विमानन के लिए विमान बनाती है और विमान खरीदने के कारोबार में नहीं है। उन्होंने कहा, ...और मेरे पास भी निजी तौर पर विमान नहीं है। फिर भी, एक होना अच्छा रहेगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कांग्रेस जातिगत गणना के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान चलाएगी : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस की अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) सलाहकार परिषद की बुधवार को हुई बैठक में केंद्र से तेलंगाना जाति सर्वेक्षण के मॉडल के आधार पर राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तावित जातिगत गणना कराने का आह्वान किया गया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के नेतृत्व में यहां हुई दो दिवसीय बैठक में इस संबंध में एक प्रस्ताव पारित किया गया।

सिद्दरामय्या ने परिषद में पारित प्रस्तावों को 'बेंगलूरु घोषणा' नाम देते हुए कहा, ''जनगणना में प्रत्येक व्यक्ति और जाति के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक, रोज़गार, राजनीतिक पहलुओं को शामिल किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि दूसरा प्रस्ताव आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा को समाप्त करने का था, जिससे शिक्षा, सेवा, राजनीतिक और अन्य क्षेत्रों में ओबीसी के लिए उपयुक्त आरक्षण सुनिश्चित हो सके। सिद्दरामय्या ने बुधवार को बेंगलूरु में हुई परिषद की बैठक की अध्यक्षता की।

सिद्दरामय्या ने कहा कि बैठक में पारित तीसरे प्रस्ताव में कहा गया कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 15(4) के अनुसार निजी शिक्षण संस्थानों में ओबीसी के लिए आरक्षण होना चाहिए। सलाहकार परिषद ने सर्वसम्मति से न्याय योद्धा' राहुल गांधी को समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों के लिए सामाजिक न्याय का मुद्दा उठाने के लिए धन्यवाद दिया।

सिद्दरामय्या ने कहा, ''राहुलजी के दृढ़ निश्चय ने मनुवादी मोदी सरकार को भारत में जातिगत गणना की न्यायोचित और संवैधानिक मांग के आगे झुकने पर मजबूर कर दिया। भारत के सभी पिछड़े वर्गों की ओर से, परिषद हृदय से उनकी सराहना करता है और इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए राहुल गांधी के योगदान को श्रेय देता है।''

जातिगत गणना को लेकर केंद्र द्वारा किये गए फैसले को मील का पत्थर बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भारतीय संविधान द्वारा परिकल्पित सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में एक छोटा सा कदम है।

सिद्दरामय्या ने कहा, ''न्याय योद्धा राहुल गांधीजी के साहसी और अडिग नेतृत्व में, भारत सामाजिक सशक्तिकरण के अंतिम संवैधानिक उद्देश्य को साकार करने और प्राप्त करने के लिए नियत है, जिससे हमारे महान राष्ट्र में एक समतावादी और समान समाज का निर्माण होगा।''

भाजपा-जद (एस) ने किया कर्नाटक में 'रणदीप शासन' होने का दावा, सुरजेवाला को 'सुपर सीएम' करार दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने बुधवार को कई मंत्रियों के साथ एक के बाद एक बैठक की जिस पर विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल सेक्युलर (जद एस) ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए सुरजेवाला को ''सुपर मुख्यमंत्री'' करार दिया।

विपक्षी नेताओं ने सवाल किया कि क्या राज्य में ''रणदीप शासन''लागू हो गया है। वहीं विधानसभा में विपक्ष के नेता एवं भाजपा नेता आर अशोक ने दावा किया कि कांग्रेस आलाकमान का मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या पर जरा भी भरोसा नहीं है और उसने कर्नाटक में ''रणदीप शासन'' लागू कर दिया है। सुरजेवाला की मंत्रियों के साथ आमने-सामने की बैठकों का बुधवार को तीसरा दिन है। बताया जा रहा है कि इन बैठकों का उद्देश्य मंत्रियों की शिकायतों को समझना, उनके कामकाज का आकलन करना और पार्टी विधायकों द्वारा मंत्रियों के खिलाफ की गई शिकायतों का समाधान करना है। इससे पहले सुरजेवाला ने राज्य में पार्टी विधायकों के साथ आमने-सामने की बैठके की थीं।

अशोक ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में पूछा, ''क्या राज्य में रणदीप शासन लागू है? क्या बृहस्पतिवार की कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता भी सुरजेवाला करेंगे?'' उन्होंने दावा किया, ''कांग्रेस आलाकमान मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या पर से पूरी तरह विश्वास खो चुका है और उसने कर्नाटक में 'रणदीप शासन'' लागू कर दिया है।'' उन्होंने कहा, ''इसमें आश्चर्य नहीं होना चाहिए अगर सुरजेवाला, जो केपीसीसी कार्यालय और पांच सितारा होटलों में असंतुष्ट विधायकों की शिकायतें सुन रहे हैं और मंत्रियों के कामकाज की समीक्षा कर रहे हैं बृहस्पतिवार को विधान सौधा में होने वाली कैबिनेट बैठक में आएं और स्वयं उसकी अध्यक्षता करें।''

अशोक ने कहा, ''मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या का प्रशासन पर कोई नियंत्रण नहीं है और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को विधायकों का समर्थन नहीं है और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पास किसी को भी मुख्यमंत्री नियुक्त करने का अधिकार नहीं है।'' अशोक ने दावा किया कि कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी के पास एक भी ऐसा नेता नहीं है जो मुख्यमंत्री पद को प्रभावी ढंग से संभाल सके।

इस बीच, जद (एस) के राज्य युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, ''कर्नाटक के सुपर मुख्यमंत्री के रूप में सुरजेवाला की पदोन्नति पर उनको बधाई।'' उन्होंने कहा, ''ऐसा लगता है कि निर्वाचित मुख्यमंत्री ने सुरजेवाला को सरकार चलाने के लिए जीपीए सौंप दिया है।''

बेंगलूरु में कांग्रेस ओबीसी सलाहकार परिषद की बैठक बिहार चुनाव से पहले 'चुनावी हथकंडा': भाजपा

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने बुधवार को यहां आयोजित कांग्रेस की ओबीसी सलाहकार परिषद की बैठक को बिहार विधानसभा चुनाव से पहले 'चुनावी हथकंडा' करार दिया। विजयेंद्र ने कांग्रेस को चुनौती दी कि वह पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करे, ताकि अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) के प्रति अपनी प्रतिबद्धता साबित कर सके। भाजपा नेता ने दावा किया कि यह बैठक पिछड़े वर्गों के उत्थान और विकास के बारे में नहीं है।

विजयेंद्र ने कहा कि कांग्रेस ने आजादी के बाद लंबे समय तक देश और राज्य पर शासन किया और उसे इन समुदायों के पिछड़ेपन के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के ओबीसी परिषद ने कल एक बैठक की और यह आज भी जारी है। बैठक का एजेंडा ओबीसी, एससी/एसटी समुदायों के उत्थान या विकास के बारे में नहीं है, बल्कि एजेंडा यह है कि बिहार विधानसभा चुनाव कैसे जीता जाए। यही असली एजेंडा है।''

भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस ने पिछले 55-60 वर्षों से राज्य और देश, दोनों पर शासन किया है और यदि इन समुदायों के लिए विकास और सामाजिक न्याय नहीं है, तो इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए? उन्होंने कहा, यह कांग्रेस पार्टी है-आप ही हैं, जिसने इस देश पर 55 साल से अधिक समय तक शासन किया। अब, जब बिहार चुनाव नजदीक हैं, तो एआईसीसी की ओबीसी समिति यहां कर्नाटक के बेंगलूरु में बैठक कर रही है, जिसका कोई महत्व नहीं है। इस बैठक का कोई औचित्य नहीं है। यह केवल एक राजनीतिक हथकंडा है। यह आगामी बिहार चुनावों के लिए एक चुनावी हथकंडा है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने विभिन्न राज्यों में ओबीसी और एससी/एसटी समुदायों के नेताओं को मुख्यमंत्री नियुक्त करने के अपनी पार्टी के रिकॉर्ड को रेखांकित करते हुए कहा, ''कांग्रेस और सिद्दरामय्या भाषण देते हैं। मैं उन्हें चुनौती देता हूं।

जीटीटीसी प्रशिक्षुओं का भविष्य उज्ज्वल है : बसवराज बोम्मई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हावेरी। पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने कहा कि जीटीटीसी प्रशिक्षुओं का भविष्य उज्ज्वल है। वे औद्योगिक क्षेत्र में इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर विज्ञान सहित कई क्षेत्रों में काम कर सकते हैं। अगर आप इसमें डिप्लोमा करते हैं, तो आप इंजीनियरिंग भी कर सकते हैं। उन्होंने बुधवार को हावेरी तालुका के नालोगल गाँव में नवनिर्मित जीटीटीसी प्रशिक्षण परिसर के उद्घाटन समारोह में भाग लेते हुए यह बात कही। यहां हावेरी में एक इंजीनियरिंग कॉलेज बनाया है। हालाँकि हमने तकनीकी रूप से एक इंजीनियरिंग कॉलेज बनाया है, लेकिन प्रशिक्षित युवाओं की आवश्यकता है। इसके लिए आईटीआई और जीटीटीसी प्रशिक्षण आवश्यक है। जीटीटीसी करने वालों का भविष्य उज्ज्वल है। वे औद्योगिक क्षेत्र में इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर विज्ञान सहित कई क्षेत्रों में काम कर सकते हैं। अगर आप इसमें डिप्लोमा करते हैं, तो आप इंजीनियरिंग भी कर सकते हैं, उन्होंने कहा।

इसमें टूल और डाई मेकिंग महत्वपूर्ण है। टूल और डाई मेकिंग सीखने वालों के लिए अच्छे अवसर होते हैं। मैं यह अपने व्यक्तिगत अनुभव से कह रहा हूँ। 1982 में जब मैंने इंजीनियरिंग पूरी की, तो मुझे नौकरी नहीं मिली। मैंने बेंगलूरु के राजाजीनगर स्थित जेटीटीसी में छह महीने तक प्रशिक्षण लिया। उस समय, मुझे टाटा मोटर्स में इंजीनियर के रूप में काम करने के लिए बुलाया गया था। यहाँ प्रशिक्षण के बाद मुझे टाटा मोटर्स में नौकरी मिल गई। अगर आपको वहाँ नौकरी मिलती है, तो आज आपको आईआईटी में अवसर मिलता है, इसलिए जीटीटीसी पाठ्यक्रम उतना ही महत्वपूर्ण है। अगर छात्र इसे समझेंगे, तो वे बेहतर तरीके से सीखेंगे। जब मैं मुख्यमंत्री था, तब मैंने नेलोगल और शिगरा के लिए दो जीटीटीसी स्वीकृत किए थे। मुझे खुशी है कि वर्तमान सरकार ने इसे जारी रखा है और शुरू किया है। इससे हावेरी शहर और आसपास के गाँवों को लाभ होगा। छात्रों को इसका लाभ उठाना चाहिए। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए और अधिक छात्रों को इसमें शामिल होने की अनुमति देते हुए, चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. शरण प्रकाश पाटिल ने कहा कि 30 करोड़ रुपये दिए गए हैं।

अब तकनीकी ज्ञान बहुत महत्वपूर्ण है। भारत को विकसित होने के लिए तकनीकी कौशल वाले मानव संसाधनों की आवश्यकता है। एक समय में, जनसंख्या बहुत अधिक थी। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री ने कौशल विकास पर बहुत जोर दिया है। इसके लिए एक अलग विभाग शुरू किया गया है। मैं केंद्रीय संसदीय कौशल विकास समिति का अध्यक्ष हूँ और केंद्र से आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए तैयार हूँ।

इस अवसर पर कर्नाटक सरकार के चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. शरणप्रकाश पाटिल, जिला प्रभारी मंत्री शिवानंद पाटिल, विधानसभा उपाध्यक्ष रुद्रप्पा लमानी, पूर्व विधायक एस.आर. पाटिल, जिला आयुक्त डॉ. विजयमहांतेश दानम्मा, सरकारी उपकरण गोदाम एवं प्रशिक्षण केंद्र के प्रबंध निदेशक डॉ. दिनेश कुमार वाई.के., शहरी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष एस.एफ.एन. गाजी गौड़ा, कांग्रेस पार्टी के नेता संजीव कुमार नीरलगी, एम.एम. मैदुरा, प्राचार्य अश्विन कुमार और कॉलेज के छात्र एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

बेस्कॉम कर्मी ने 'डिजिटल एरेस्ट' ठगी का शिकार होने के बाद कर ली खुदकुशी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। 'बेंगलूरु इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी (बेस्कॉम)' के 48 वर्षीय कर्मचारी ने कथित रूप से 'डिजिटल अरेस्ट'' में 11 लाख रुपये गंवाने के बाद आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि खुदकुशी करने वाले इस व्यक्ति की पहचान बेस्कॉम के अनुबंधित कर्मी कुमार के. के रूप में हुई है जो बेंगलूरु दक्षिण जिले के चन्नपटना तालुक के केलागेरे गांव के रहने वाले थे।

पुलिस ने बताया कि मंगलवार को कुमार अपने गांव में एक पेड़ पर फांसी पर लटके मिले। घटनास्थल से बरामद कथित आत्महत्या संबंधी नोट में, उन्होंने अपनी स्वास्थ्य समस्याओं और 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर साइबर ठगों के हाथों उत्पीड़न को इस कदम के लिए जिम्मेदार ठहराया है। 'डिजिटल अरेस्ट' एक ऐसा शब्द है जिसका इस्तेमाल साइबर धोखाधड़ी में किया जाता है। इसमें ठग अपने शिकार को डिजिटल माध्यमों से झूठे तौर पर कहता है कि वह निगरानी में है या कानूनी हिरासत में है। ठग अक्सर खुद को अधिकारी बताकर लगातार वीडियो या कॉल निगरानी के ज़रिए शिकार को अलग-थलग कर देता है और दूसरों को बिना पता चले उससे अपने निर्देशों का पालन करवाता है।

पुलिस के अनुसार 'आत्महत्या संबंधी नोट' में कुमार ने लिखा है कि उन्हें विक्रम गोस्वामी नामक एक व्यक्ति ने फ़ोनकर खुद को सीबीआई अधिकारी बताया और दावा किया कि उसके पास उसके (कुमार के) खिलाफ गिरफ्तारी वारंट है और गिरफ्तारी से बचने के लिए वह उसे पैसे का भुगतान करे। पुलिस के मुताबिक कथित उत्पीड़न और गिरफ्तारी के डर से कुमार ने शुरुआत में ठग की मांग के अनुसार 1.95 लाख रुपये जमा कर दिए। लेकिन साइबर ठग और पैसे की मांग करता रहा।अधिकारी ने बताया कि चन्नपटना में एम के डोड्डी पुलिस मामले की जांच कर रही है और कुमार द्वारा लगाए गए आरोपों की तहकीकात कर रही है। उन्होंने कहा, कुमार के बैंक लेनदेन विवरण का विश्लेषण करने के बाद ही हम यह पता लगा पाएंगे कि कितनी राशि अंतरित की गई। पुलिस ने बताया कि कुमार के परिवार में उनकी पत्नी और आठ साल का एक बेटा है।

भाजपा विधायक पर बदमाश की हत्या का मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक और कर्नाटक के पूर्व मंत्री बिरथी बसवराज पर एक बदमाश की उसकी मां के सामने हत्या करने के सिलसिले में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। वहीं, भाजपा नेता ने कहा कि उन्हें घटना की कोई जानकारी नहीं है और शिकायत दुर्भावनावश की गई है। पुलिस ने बताया कि हमलावर मंगलवार रात को एक कार में सवार होकर आए और उन्होंने शहर के भारती नगर में शिवप्रकाश उर्फ बिकलू शिवू नामक बदमाश की हत्या कर दी।

पुलिस ने बताया कि मृतक की मां की शिकायत के आधार पर पूर्व मंत्री और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। शिवप्रकाश की मां विजयलक्ष्मी ने अपनी शिकायत में कहा कि उन्होंने आठ-नौ लोगों को अपने बेटे पर लोहे की छड़ों और छुरों से हमला करते देखा। जब उसके दोस्त ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो उन्होंने उस पर भी लोहे की छड़ से हमला कर दिया। विजयलक्ष्मी ने अपनी शिकायत में कहा, जब मैं चिल्लाई, तो आसपास के लोग इकट्ठा होने लगे। उन अज्ञात लोगों ने मेरे बेटे की हत्या कर दी और एक सफेद स्कॉर्पियो गाड़ी और एक दोपहिया वाहन में घटनास्थल से भाग गए। अगर मैं उन्हें देखूं तो

बिरथी बसवराज

पहचान सकती हूं।

डीसीपी डी देवराज और संयुक्त आयुक्त रमेश भनोट सहित शीर्ष पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया और पुष्टि की कि शिवकुमार का लंबा आपराधिक रिकॉर्ड रहा है और उसके खिलाफ 11 मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बसवराज के साथ-साथ जगदीश, किरण, विमल और अनिल के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि पूर्व मंत्री को प्राथमिकी में आरोपी नंबर 5 के तौर पर सूचीबद्ध किया गया है।

विजयलक्ष्मी ने आरोप लगाया कि 11 फरवरी को जगदीश और किरण ने किटकन्नूर स्थित शिवप्रकाश की संपत्ति पर अतिक्रमण किया था और दो महिला सुरक्षा गार्डों को वहां से निकाल दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी उनके बेटे को फोन करके धमका रहे थे। अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर प्रतिक्रिया देते हुए, बसवराज ने विधान सौध में संवाददाताओं से कहा, मुझे इस घटना की जानकारी नहीं है। अगर मुझे पता होता, तो मैं पुलिस में शिकायत दर्ज करा देता। मुझे इसकी कोई जानकारी नहीं है। शिकायत दुर्भावनापूर्ण इरादे से दर्ज कराई गई है। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि उनके खिलाफ शिकायत क्यों दर्ज की गई है।

विधायक ने पूछा, ''जब मुझे एक छोटी सी बात भी नहीं पता, तो मैं कैसे प्रतिक्रिया दे सकता हूं। वे किस जमीन की बात कर रहे हैं, उसे किसने लिया, बदमाश कौन है, या बदमाशों की सूची में कौन-कौन है?'' उन्होंने पुलिस पर बिना उचित जांच-पड़ताल के अपने खिलाफ मामला दर्ज करने का आरोप लगाया। पूर्व मंत्री ने कहा, ''मैं चार बार विधायक रहा हूं। मेरे इर्द-गिर्द कोई विवाद नहीं है। क्या मेरे द्वारा किसी को परेशान करने का कोई मामला सामने आया है? मुझे बहुत दुख है कि ऐसा कुछ अचानक हो गया।''

उन्होंने मामले में कानूनी लड़ाई लड़ने का संकल्प लिया और कहा कि वह राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर से मिलकर अपना पक्ष रखेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए परमेश्वर ने कहा, ''फिलहाल मेरे पास घटना के बारे में कोई जानकारी नहीं है। मैं पूरा विवरण प्राप्त करूंगा और फिर जवाब दूंगा।''

उद्घाटन

बेंगलूरु में बुधवार को कर्नाटक राज्य पुलिस और बीएमआरसीएल के सहयोग से सिल्क बोर्ड जंक्शन, कोरमंगला, बेंगलूरु के पास निर्मित केएसआरपी सामुदायिक भवन का उद्घाटन मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने किया। इस मौके पर गृहमंत्री डॉ. जी. परमेश्वरम, मंत्री रामलिंगा रेड्डी, पुलिस महानिदेशक एवं महानिरीक्षक डॉ. एमए सलीम सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुलाकात

बुधवार को बेंगलूरु के सदाशिवनगर में उपमुख्यमंत्री एवं कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डीके शिवकुमार से उनके निवास पर मुलाकात करते हुए मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जितेन्द्र पटवारी।

'दपरे' केंद्रीय अस्पताल में अत्याधुनिक डिजिटल रेडियोग्राफी प्रणाली का अनावरण

हुब्बल्ली। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के महाप्रबंधक मुकुल सरन माथुर ने बुधवार को दक्षिण पश्चिम रेलवे केंद्रीय अस्पताल में अत्याधुनिक प्रोरेड-3एनसी डिजिटल रेडियोग्राफी (डीआर) प्रणाली और एक नवनिर्मित चिकित्सा परीक्षण कक्ष का उद्घाटन किया। यह नैदानिक इमेजिंग सेवाओं को उन्नत बनाने और उच्च-गुणवत्ता, सटीक और कुशल रोगी देखभाल प्रदान करने के लिए दपरे की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह प्रोरेड-3एनसी डिजिटल रेडियोग्राफी प्रणाली हुब्बल्ली-धारवाड़ शहर और उत्तरी कर्नाटक में अपनी तरह की पहली प्रणाली है। प्रोरेड-3एनसी डिजिटल रेडियोग्राफी प्रणाली में उच्च-रिज़ॉल्यूशन इमेजिंग के लिए उन्नत फ्लैट पैनल डिटेक्टर तकनीक है, जो त्वरित छवि अधिग्रहण के साथ, तेजी से निदान और बेहतर रोगी थ्रूपुट को सक्षम बनाती है, जबकि इसका वायरलेस डीआर डिटेक्टर लचीलापन बढ़ाता है, वर्कफ़्लो को सुव्यवस्थित करता है और परिचालन दक्षता को बढ़ाता है ताकि बेहतर नैदानिक सटीकता प्रदान की जा सके और अस्पताल की नैदानिक क्षमताओं का अनुकूलन किया जा सके।

इस अवसर पर दपरे के अपर महाप्रबंधक के.एस. जैन; प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. जी.एस. रामचंद्र, हुब्बल्ली मंडल रेल प्रबंधक बेला मीणा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बारह साल की बच्ची की हार्ट अटैक से मौत

बेल्लारी। यहां बेल्लारी में 12 साल की बच्ची को अचानक से हार्ट अटैक आया और उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही विधायक और तहसीलदार अस्पताल पहुंचे और परिजनों से मुलाकात की। यह मामला बेल्लारी के संदूर तालुका स्थित कलिंगेरी गांव का है, जहां 12 वर्षीय दीक्षा सहिप्रा स्कूल में 6वीं की छात्रा थीं। वह मंगलवार को स्कूल जाने के लिए तैयार हो रही थी। दीक्षा घर पर ही बालों में कंघी कर रही थी, तभी वह अचानक से जमीन पर गिर पड़ी। परिजनों ने आनन-फानन में उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार दिया गया और आगे के इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। संदूर ले जाते समय उसकी रास्ते में मौत हो गई।

कर्नाटक मुख्यमंत्री पद विवाद : श्रीशैल पीठ के जगद्गुरु का बयान- हाईकमान निभाए वादा

बागलकोट/दक्षिण भारत। यहां श्रीशैल पीठ के जगद्गुरु चन्ना सिद्धराम पंडिताराध्य ने कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही खींचतान पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार गठन के समय मुख्यमंत्री पद को लेकर कोई आपसी समझौता हुआ था तो हाईकमान को अब उस समझौते को लागू करना चाहिए। अगर सहमति बन जाती है तो आलाकमान को डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री पद दे देना चाहिए। श्रीशैल पीठ के जगद्गुरु अमीनगड में मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पद को लेकर डीके शिवकुमार और सिद्दरामय्या के बीच प्रतिस्पर्धा है, लेकिन अगर पहले से कोई सहमति बनी थी तो उसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, हमारे पास यह जानकारी नहीं है कि सरकार गठन के समय क्या समझौता हुआ था, लेकिन अगर कोई सहमति बनी थी तो उसे लागू किया जाना चाहिए। डीके शिवकुमार और सिद्दरामय्या दोनों ही अनुभवी और कुशल राजनेता हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के विकास पर ध्यान केंद्रित करना सभी नेताओं की प्राथमिकता होनी चाहिए, न कि सत्ता को लेकर खींचतान।

यह बयान ऐसे समय आया है, जब कांग्रेस के भीतर मुख्यमंत्री पद को लेकर मतभेद की चर्चा तेज हो रही है। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार को ढाई साल होने वाले हैं। ऐसे में डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने के लिए कांग्रेस विधायकों का एक धड़ा 'ढाई-ढाई साल मुख्यमंत्री' फॉर्मूले की याद दिलाता है, जबकि सिद्दरामय्या के पक्ष में खड़े विधायक नेतृत्व परिवर्तन से स्पष्ट मना करते हैं। उनका दावा है कि सिद्दरामय्या 5 साल तक मुख्यमंत्री रहेंगे। वर्ष 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद सिद्दरामय्या को मुख्यमंत्री बनाया गया, लेकिन डीके शिवकुमार उस समय रेस में आगे थे।

टीबीमुक्त राजस्थान की ओर तेजी से बढ़ते कदम, अब तक 74 लाख से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग, नवाचारों और सतत प्रयासों से मिल रही सफलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में चिकित्सा विभाग टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत राजस्थान को टीबी मुक्त बनाने के निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। प्रदेश में 25 जून, 2025 से चल रहे सक्रिय क्षय रोग खोज अभियान के माध्यम से अब तक 74 लाख (44 प्रतिशत) से अधिक अति संवेदनशील जनसंख्या की घर-घर जाकर स्क्रीनिंग की जा चुकी है। अभियान का लक्ष्य 1.67 करोड़ संवेदनशील व्यक्तियों तक पहुंचना है। स्क्रीनिंग में अब तक 2,35,054 व्यक्तियों में टीबी के लक्षण पाए गए हैं, जिन्हें पुष्टि हेतु स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के टीबी मुक्त भारत के संकल्प की दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार प्रभावी रणनीति के साथ काम किया जा रहा है। स्क्रीनिंग का अभियान 21 जुलाई 2025 तक चलेगा, जिसका उद्देश्य टीबी के छिपे मामलों की शीघ्र पहचान कर समय पर निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत पीएलएचआईवी, डायबिटीज रोगी, 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग, कुपोषित व्यक्ति, धूम्रपान/मद्यपान करने वाले, प्रवासी श्रमिक, आदिवासी समुदाय, पूर्व टीबी रोगी तथा खनन एवं निर्माण स्थलों, जेलों एवं शहरी झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लोगों की घर-घर जाकर स्क्रीनिंग की जा रही है।

अति संवेदनशील जनसंख्या की स्क्रीनिंग सुनिश्चित करने के लिए राज्य और जिला स्तर पर अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। अभियान की प्रगति की दैनिक समीक्षा भी की जा रही है। राजस्थान में घर-घर जाकर क्षय रोग के लक्षणों की जांच का यह अभियान, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन लक्ष्य की दिशा में एक निर्णायक कदम है। जिला टीमों की मेहनत और आमजन की भागीदारी से समय पर अधिकतम रोगियों की पहचान संभव हो रही है, जिससे संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री के सतत पर्यवेक्षण के चलते प्रदेश में टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के तहत वर्ष 2024 में 3,350 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया गया है, जिससे समुदाय स्तर पर जागरूकता और भागीदारी में वृद्धि हुई है। इस अभियान में राजस्थान देशभर में तीसरे स्थान पर रहा है। अभियान के तहत अब तक 35,117 निक्षय मित्र पंजीकृत हो चुके हैं, जो टीबी मरीजों को पोषण, मानसिक सहयोग और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवा रहे हैं।

निक्षय पोर्टल के माध्यम से टीबी मरीजों की पहचान, उपचार, एवं भुगतान की रियल टाइम निगरानी सुनिश्चित की जा रही है। टेक्नोलॉजी के साथ टीबी उन्मूलन की ओर सटीक और तेज कदम बढ़ाते हुए राज्य में टीबी रोगी खोज अभियान का सर्वेक्षण आशा डिजिटल हेल्थ ऐप के माध्यम से किया जा रहा है, और इसकी रीयल टाइम निगरानी डैशबोर्ड के जरिए सुनिश्चित की जा रही है। सभी संभावित मामलों में नाट आधारित परीक्षण को प्राथमिकता देकर राज्य ने सटीक व शीघ्र निदान की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। सहभागिता आधारित मॉडल के तहत एनजीओ, सीएसआर भागीदारों और निजी चिकित्सकों की सहभागिता से टीबी नियंत्रण प्रयासों को मजबूती मिली है। जिला स्तर पर इंटर-डिपार्टमेंटल समन्वय के माध्यम से पुलिस, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, श्रम विभाग जैसे विभागों के साथ मिलकर सुगठित व समग्र रणनीति बनाई जा रही है।

पूर्व विधायक से बदसलूकी करने वाले अधिकारी पर होनी चाहिए सख्त कार्रवाई : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने पूर्व विधायक प्रीति शक्तावत के साथ पुलिस अधिकारी द्वारा बदसलूकी करने को निंदनीय बताते हुए कहा है कि राज्य सरकार को दोषी अधिकारी पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। गहलोत ने बुधवार को अपने बयान में कहा कि उदयपुर जिले के वल्लभनगर में शीतला माता मंदिर में हुई चोरी की घटना एवं पूर्व विधायक प्रीति शक्तावत के साथ पुलिस अधिकारी का अभद्र व्यवहार बेहद निंदनीय है। उन्होंने कहा कि पुलिस पहले चोरी को रोकने में विफल रही और जब जनप्रतिनिधि होने के नाते पूर्व विधायक ने उनका कर्तव्य याद दिलाया तो बदसलूकी की गई। उन्होंने कहा कि क्या पुलिस को अब जनता की आवाज सुनना गवारा नहीं है। सरकार को दोषी अधिकारी पर तुरन्त सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

चंबल नदी में चार शव बरामद, अब भी चार लोगों की तलाश जारी

कोटा। कोटा में चंबल नदी के उफान में आ जाने के बाद उसमें बहे दो व्यक्तियों के शव मंगलवार को प्राधिकारियों द्वारा बरामद कर लिए गए। कोटा बैराज के 12 फाटकों से पानी छोड़े जाने के बाद नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया और यहां पिकनिक पर गए छह लोग बह गए। पहले बताया गया था कि पांच लोग लापता हुए हैं। पुलिस ने लापता लोगों की पहचान पचुलाल मेघवाल (40), आशु मेघवाल (18), रमेश मेघवाल (35), संजय मेघवाल (38), धर्मराज कोली (22) और देवकीनंद कोली (19) के रूप में की गई हैं। ये सभी कोटा जिले के एक गांव के मूल निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि वे लोग हरि सिंह गांव के पास नदी में तैरने के लिए इकट्ठा हुए थे। पचुलाल का शव मंगलवार को घटनास्थल से तीन किलोमीटर दूर बरामद किया गया जबकि आशु का शव भी घटनास्थल से 10 किलोमीटर दूर मिल गया।

पिकनिक पर आए इन लोगों के समूह में शामिल बंसीलाल मेघवाल (35) को सोमवार को नदी से बचाया गया और उनकी मदद से ही लापता लोगों की पहचान की गई। शेष चार लापता लोगों की तलाश अब भी जारी है।

संत हिरदाराम आदर्श समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मध्यप्रदेश प्रवास के दौरान मंगलवार को भोपाल के बैरागढ़ स्थित संत शिरोमणि हिरदाराम आश्रम पहुँचकर वहां संचालित जनसेवा कार्यों का अवलोकन किया। देवनानी ने आश्रम में संत हिरदाराम के चित्र पर पुष्प माला अर्पित कर नमन किया।

देवनानी ने कहा कि संत हिरदाराम ने अपने जीवन को शिक्षा, सेवा और चिकित्सा जैसे पवित्र कार्यों को समर्पित किया। उनका जीवन समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि संत हिरदाराम के तप, त्याग और सेवा भावना की प्रेरणा से आश्रम आज भी विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य कर रहा है। आश्रम द्वारा संचालित व्द्यिालय, अस्पताल, महिला सशक्तिकरण एवं कौशल विकास केन्द्र की गतिविधियों को देखकर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि ऐसे संस्थान समाज के लिए आशा का प्रकाश हैं।

देवनानी ने कहा कि आज जब समाज को नैतिक मूल्यों और सेवा भाव की आवश्यकता है, तब संत हिरदाराम का जीवन दर्शन हमें सही दिशा दिखाता है। आश्रम द्वारा निःस्वार्थ भाव से किए जा रहे कार्य समाज में समरसता, करुणा और आत्मनिर्भरता को बल देते हैं। देवनानी आश्रम परिवार को शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह सेवा यज्ञ इसी भाव से निरंतर आगे बढ़ता रहेगा।

प्रशिक्षित बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं से भरवाएंगे गणना प्रारूप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का एक दिवसीय विषेष गहन पुनरीक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम मुख्य चुनाव अधिकारी राजस्थान नवीन महाजन की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। मुख्य चुनाव अधिकारी ने उद्घाटन सत्र में बताया की बिहार की तर्ज पर जल्द ही भारत निर्वाचन आयोग ने संपूर्ण राष्ट्र में विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) अभियान चलाने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व 2002 में मतदाता सूचियों के रिवीजन का कार्य हुआ था। उन्होंने बताया कि राजस्थान में भी विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान चलाया जाएगा जिसमें बीएलओ घर-घर जाकर मतदाता सूचियों के शोधन का कार्य करेंगे।

उन्होंने बताया कि इसके लिए संपूर्ण राजस्थान के 41 जिलों के 43 मास्टर ट्रेनर्स को विस्तृत प्रशिक्षण देकर उनकी क्षमता में अभिवृद्धिकरण का कार्य किया जा रहा है ताकि वे उनके जिलों में जाकर वहां के बीएलओ और सुपरवाइजर को उक्त कार्य हेतु प्रशिक्षित कर सकें।

उन्होंने बताया कि इनके द्वारा प्रशिक्षित बीएलओ राजस्थान के 5 करोड़ 75 लाख मतदाताओं के घर-घर पहुंचकर गणना प्रारूप भरवाकर मतदाता सूची के शोधन का कार्य करेंगे। उन्होंने सभी मास्टर ट्रेनर्स को भारत निर्वाचन आयोग व मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय राजस्थान द्वारा समय-समय पर जारी दिषा निर्देषों व जानकारियों से अपने आप को अपडेट रखने व सभी प्रकार के अक्सर पूछे जाने वाले सवालों (एफ ए क्यू) की जानकारी रखने के लिए कहा है। संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. रौनक बैरागी ने विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) में बीएलओ की भूमिका के बारे में सत्र लिया। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी जयपुर आषीष कुमार उपस्थित रहे।

हर घर जल लक्ष्य में लापरवाही नहीं चलेगी : अजय सिंह राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झालावाड़। जिला जल एवं स्वच्छता मिशन तथा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की बैठक बुधवार को जिला कलक्टर अजय सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में मिनी सचिवालय के सभागार में आयोजित की गई। कार्यक्रम में एफएचटीसी (कार्यात्मक घरेलू नल जल कनेक्शन) में गति की कमी पर जिला कलक्टर ने नाराज़गी व्यक्त की, साथ ही गति लाने हेतु कड़े निर्देश जारी किए।

बैठक में जिला कलक्टर ने जिले की वृहद परियोजनाओं एवं इनके अतिरिक्त संचालित अन्य परियोजनाओं के तहत जल जीवन मिशन योजनान्तर्गत हर घर जल के कार्यों की समीक्षा करते हुए प्रगति लाने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने कहा कि जिन क्षेत्रों में टेप कनेक्शन हो चुका हैं वहां नलों के माध्यम से नियमित जलापूर्ति करवाना सुनिश्चित करें। साथ ही जो क्षेत्र पेयजल से वंचित हैं वहां अन्य वैकल्पिक संसाधनों के माध्यम से जलापूर्ति सुनिश्चित करें।

इस दौरान जिला कलक्टर ने जिले के सभी राजकीय विद्यालयों, चिकित्सा संस्थानों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में टेप कनेक्शन की समीक्षा करते हुए पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। इस दौरान जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता वी.सी. गोयल ने जल जीवन मिशन के तहत चल रहे कार्यों एवं प्रगति की जानकारी से अवगत कराया। बैठक में नल जल मित्रों के चयन हेतु चर्चा कर आवश्यक निर्देश प्रदान किए।

इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत संचालित कार्यों से संबंधित प्रगति की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था की व्यापक मॉनिटरिंग करने के निर्देश जिला परियोजना प्रबंधक को दिए।

इस दौरान जिला कलक्टर ने व्यक्तिगत एवं सामुदायिक शौचालयों की स्थिति की समीक्षा करते हुए उनकी सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने के पश्चात ही आवश्यकता वाले क्षेत्रों में स्वीकृति के निर्देश दिए। बैठक में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शम्भूदयाल मीणा सहित जलदाय विभाग के अभियंता एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

राजस्थान में अनेक जगह भारी बारिश की चेतावनी

जयपुर। मौसम विभाग ने राजस्थान के अनेक हिस्सों में बुधवार व बृहस्पतिवार को भारी से अति भारी बारिश होने की चेतावनी दी है। इसके अनुसार कम दबाव के परिसंचरण तंत्र के असर से बुधवार को कोटा, उदयपुर, भरतपुर व बीकानेर संभाग के कुछ भागों में भारी, अतिभारी बारिश होने की संभावना है। वहीं 17 जुलाई को जोधपुर, बीकानेर, अजमेर संभाग के कुछ भागों में भारी बारिश व कहीं कहीं-कहीं अतिभारी बारिश हो सकती है। बुधवार सुबह साढ़े आठ बजे तक के चौबीस घंटे के दौरान राज्य में अनेक जगह मध्यम से भारी बारिश हुई। सर्वाधिक वर्षा श्रीविजयनगर (गंगानगर) में हुई जो 83.0 मिलीमीटर दर्ज की गई।

खाद्य सुरक्षा की दिशा में राजस्थान के प्रयासों को सराहा, मिलावट के लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के केन्द्रीय मुख्य कार्यकारी अधिकारी जी. कमला वर्धन ने कहा कि राजस्थान में मिलावट रोकथाम एवं खाद्य सुरक्षा को लेकर सेंपलिंग कार्यवाही के साथसाथ आमजन में खाद्य सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता के लिए बेहतर प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश में मिलावट के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान से आमजन में जागरूकता बढ़ी है तथा मिलावट पर प्रभावी रोकथाम हो रही है। उन्होंने मिलावट रोकने के लिए दर्ज किए जा रहे केसेज की जानकारी ली एवं इनके त्वरित निस्तारण के साथ सतत निगरानी के निर्देश दिए।

केन्द्रीय सीईओ बुधवार को ओटीएस के सभागार में प्रदेश में खाद्य सुरक्षा को लेकर किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। अतिरिक्त जिला कलक्टर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की क्षेत्रीय समीक्षा बैठक में उन्होंने मिलावट रोकथाम के लिए खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के तहत किए जा रहे प्रयासों, लम्बित केसेज, मैनपॉवर सहित विभिन्न मामलों पर विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन के दैनिक खाद्य पदार्थों में शामिल घी, दूध, पनीर मसाले जैसे पदार्थों के सेंपल नियमित रूप से लिए जाएं और इनसे संबंधित केसेज को त्वरित रूप से निस्तारित किया जाए। उन्होंने प्रदेश में फूड सेफ्टी ऑफिसर्स के रिक्त पदों के बारे में जानकारी लेते हुए यथाशीघ्र भरने के भी निर्देश दिए।

बैठक में रेगुलेटरी कम्प्लाइंस डिविजन के निदेशक राकेश कुमार एवं कार्यकारी निदेशक सत्येन कुमार पंडा ने भी खाद्य सुरक्षा एक्ट के प्रावधानों की सख्ती से पालना के साथ ही अपनाई जाने वाली रणनीति पर भी चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। राकेश ने कहा कि अधिनियम के तहत सेंपलिंग के बाद अधिकतम 90 दिवस में केस पर निर्णय किया जाना आवश्यक है। खाद्य सरक्षा आयुक्त एच. गुईटे ने प्रदेश में खाद्य सुरक्षा के तहत की जा रही कार्यवाही सहित विभिन्न अभियानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बारिश के मौसम को देखते हुए सभी एफएसओ को अतिरिक्त सावधानी बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खाद्य सुरक्षा के तहत किए जाने वाली कार्यवाही की रियल टाइम मॉनिटरिंग एवं आमजन को आवश्यक जानकारी प्रदान करने के लिए एआई आधारित एप विकसित की जा रही है। इसमें आमजन के लिए प्रश्नावली सहित आवश्यक जानकारी भी उपलब्ध होगी।

गुईटे ने बताया कि अप्रेल 24 से मार्च 2025 की अवधि में प्रदेश में 18 हजार 213 सेम्पल लिए गए। इनमें 863 अनसेफ, 3734 सेम्पल सब स्टेंडर्ड एवं 131 मिस ब्रांडेड पाए गए। इनमें से 17 हजार 615 सेम्पल्स का विश्लेषण कर आवश्यक कार्यवाही कर दी गयी है।

शाह आज दादिया में सहकार एवं रोजगार उत्सव में होंगे मुख्य अतिथि

जयपुर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह गुरुवार को जयपुर जिले के दादिया गांव में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के तहत आयोजित किए जा रहे सहकार एवं रोजगार उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी मौजूद रहेंगे। राज्य के सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने मंगलवार को कार्यक्रम स्थल का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया। दक ने प्रशासन, पुलिस एवं विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ, सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल एवं जिला कलक्टर डा जितेन्द्र कुमार सोनी तथा अन्य अधिकारी इस दौरान मौजूद थे । दक ने आयोजन की व्यवस्थाओं से जुड़े विभिन्न विभागों को आपसी समन्वय से काम करते हुए सभी व्यवस्थाएं बेहतर रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर आगन्तुकों के पहुंचने, बैठने और पेयजल की समुचित व्यवस्थाएं की जाए। साथ ही आगन्तुकों के लिए चाय-बिस्किट एवं छाछ का बंदोबस्त किया जाए।

न्यायालय ने मेयर मुनेश गुर्जर के निलम्बन को सही ठहराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में राजस्थान उच्च न्यायालय ने जयपुर नगर निगम (हेरिटेज) की महापौर मुनेश गुर्जर के निलंबन को सही ठहराया है। उच्च न्यायालय ने सुनाये गये फैसले के तहत राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह यह सुनिश्चित करते हुए तीन महीने की अवधि में न्यायिक जांच पूरी करे कि एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि अनिश्चितकालीन निलंबन की स्थिति में न रहे, और जांच निष्पक्ष रूप से, बिना न्यायालय की टिप्पणियों से प्रभावित हुए पूरी की जाए। न्यायालय ने कहा कि एक जनप्रतिनिधि से अपेक्षा की जाती है कि वह अपने पद की गरिमा को बनाए रखे और मर्यादित व्यवहार करे।

भ्रष्टाचार जैसे गंभीर अपराध में लिप्त होना अत्यंत लज्जाजनक है, विशेष रूप से तब जब यह कृत्य किसी उच्च पदस्थ सार्वजनिक व्यक्ति द्वारा किया गया हो। चार अगस्त 2023 को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जयपुर नगर निगम (हेरिटेज) की महापौर के आवास पर महापौर मुरेश गुर्जर के पति को दो लाख की रिश्वत मांगते हुए पकड़ा। यह राशि पट्टे जारी करने के बदले में मांगी जा रही थी।

इसमें जांच में महापौर मुनेश गुर्जर की संलिप्तता भी सामने आई, जिसके आधार पर उनके विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 2018 की धारा सात ए एवं भारतीय दंड संहिता की धारा 120 बी के तहत 17 सितंबर 2024 को आरोप-पत्र दाखिल किया गया।

इसके पश्चात 23 सितंबर 2024 को स्थानीय स्वशासन विभाग द्वारा उन्हें निलंबित कर दिया गया। मुनेश गुर्जर ने अपने निलंबन को उच्च न्यायालय में चुनौती दी और तर्क दिया कि उन्हें अपनी बात रखने का उचित अवसर नहीं दिया गया और जो नोटिस उन्हें भेजा गया, वह डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित नहीं था। न्यायालय ने इन तर्कों को खारिज करते हुए कहा कि तकनीकी आपत्तियों के आधार पर गंभीर आरोपों को दरकिनार नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि वैध प्राधिकारी के हस्ताक्षर युक्त मैनुअल नोटिस भी कानूनी रूप से मान्य होते हैं और याचिकाकर्ता को लगाए गए आरोपों की पूरी जानकारी थी।

ओडिशा में छात्रा की मौत

बीजद के प्रदर्शन के दौरान अफरा-तफरी, पुलिस ने पानी की बौछार की

भुवनेश्वर/भाषा। बालासोर जिले में एक कॉलेज छात्रा के आत्मदाह को लेकर बुधवार को यहां बीजू जनता दल (बीजद) के विरोध प्रदर्शन के दौरान दो पूर्व मंत्री समेत विपक्षी दल के कई कार्यकर्ता और नेता घायल हो गए।

एक अधिकारी ने कहा कि लोअर पीएमजी स्क्वायर के पास बीजद का प्रदर्शन उस समय हिंसक हो गया जब पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने राज्य सचिवालय 'लोक सेवा भवन' की ओर मार्च करते हुए अवरोधकों को पार करने का प्रयास किया और पुलिसकर्मियों से उनकी झड़प हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आंदोलन कर रहे बीजद कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछार की और आंसूगैस के गोले छोड़े। अधिकारी ने कहा, ''बाद में बीजद कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया और प्रदर्शन स्थल से ले जाया गया।'' घायलों में पूर्व मंत्री प्रणब प्रकाश दास और प्रीति रंजन घराई शामिल हैं। पार्टी के एक नेता ने बताया कि घराई को शुरू में यहां कैपिटल अस्पताल ले जाया गया और बाद में उत्कल अस्पताल, भुवनेश्वर के आईसीयू में भर्ती कराया गया। उन्होंने कहा कि दास को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बीजद ने फकीर मोहन (स्वायत्त) कॉलेज की बी.एड. द्वितीय वर्ष की छात्रा की मौत के मामले में न्यायिक जांच की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। छात्रा ने तीन दिन तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद सोमवार रात एम्स-भुवनेश्वर में दम तोड़ दिया।

कांग्रेस ने ओडिशा के मुख्यमंत्री का इस्तीफा मांगा, राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की

भुवनेश्वर/भाषा। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने बालासोर जिले में कॉलेज छात्रा की मौत के मामले में ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के इस्तीफे की मांग करते हुए बुधवार को कहा कि राज्य में मणिपुर की तरह राष्ट्रपति शासन लगाया जाना चाहिए। फकीर मोहन (स्वायत्त) कॉलेज की बी.एड. द्वितीय वर्ष की छात्रा ने तीन दिन तक जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करने के बाद सोमवार रात एम्स-भुवनेश्वर में दम तोड़ दिया।

छात्रा ने यौन उत्पीड़न के आरोपी एक प्रोफेसर के खिलाफ कार्रवाई नहीं किए जाने का आरोप लगाते हुए शनिवार को कॉलेज परिसर में खुद को आग लगा ली थी। पीड़िता के परिवार से मिलने राज्य पहुंचीं लांबा ने आरोप लगाया कि ओडिशा में व्यवस्था की विफलता के कारण छात्रा की मौत हुई। उन्होंने कहा, ''चूंकि मुख्यमंत्री व्यवस्था के मुखिया हैं, इसलिए उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए और राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किया जाना चाहिए।'' कांग्रेस नेता ने दावा किया, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व में खुद राजस्थान में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की थी और आरोप लगाया था कि राज्य में महिलाएं और लड़कियां सुरक्षित नहीं हैं।''

कांग्रेस छोड़कर भागने वाला व्यक्ति अब असम का मुख्यमंत्री है : खरगे

चायगांव (असम)/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पर कटाक्ष करते हुए दावा किया कि पार्टी ने भाजपा को असम में सरकार बनाने के लिए अपना सदस्य उधार दिया था। खरगे ने राज्य की एक दिवसीय यात्रा के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए कहा, जो व्यक्ति कांग्रेस छोड़कर भाग गया था, वह अब असम का मुख्यमंत्री है। शर्मा 2015 में भाजपा में शामिल होने से पहले असम की कांग्रेस सरकार में मंत्री थे।

राज्य की मौजूदा भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाते हुए खरगे ने कहा, लोगों से अन्याय करने वालों को जेल भेजा जाएगा। उन्हें अब जेलों की मरम्मत करवानी चाहिए, क्योंकि उन्हें वहीं रहना होगा। उन्होंने दावा किया कि असम में अवैध प्रवासियों का पता लगाने की आड़ में लोगों को धमकाया जा रहा है और वे अगले साल होने वाले चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को सबक सिखाएंगे। असम में बेदखली अभियान पर खरगे ने कहा कि यदि कांग्रेस राज्य में सरकार बनाती है तो वह मकानों का पुनर्निर्माण करेगी और भाजपा सरकार की ऐसी कार्रवाई से प्रभावित लोगों को मुआवजा देगी।

'राहुल को विदेश नीति के बारे में कुछ नहीं पता, फिर भी सवाल उठाते रहते हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को राहुल गांधी पर सशस्त्र बलों का अनादर करने के मामले में आदतन झूठा और अपराधी होने का आरोप लगाया।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक ने कहा कि उन्हें विदेश नीति (फॉरेन पॉलिसी) का 'एफ' नहीं पता है, लेकिन वह सवाल उठाते रहते हैं। उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर की चीनी राष्ट्रपति शी चिफफिंग से मुलाकात के बाद चीन मुद्दे से निपटने के सरकार के तरीके पर कांग्रेस नेता के 'सर्कस' वाले कटाक्ष पर पलटवार किया।

आलोक ने कहा, जब हमारे विदेश मंत्री एससीओ की बैठक के लिए चीन जायेंगे तो वह चीन के विदेश मंत्री और वहां के राष्ट्रपति से नहीं मिलेंगे, तो वह किससे मिलेंगे। क्या वह इटली के प्रधानमंत्री से मिलेंगे।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने चिनफिंग के साथ जयशंकर की मुलाकात संबंधी एक खबर साझा करते हुए मंगलवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मुझे लगता है कि (अब) चीनी विदेश मंत्री आएंगे और (प्रधानमंत्री) मोदी को चीन-भारत संबंधों में हाल के घटनाक्रमों से अवगत कराएंगे। विदेश मंत्री अब भारत की विदेश नीति को नष्ट करने के उद्देश्य से एक पूरा सर्कस चला रहे हैं।''

सशस्त्र बलों के संबंध में की गई टिप्पणी को लेकर दायर मानहानि के मामले में लखनऊ की एक अदालत द्वारा गांधी को जमानत दिए जाने के दो दिन बाद आलोक ने लोकसभा में विपक्ष के नेता पर आदतन झूठ बोलने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि गांधी अक्सर सशस्त्र बलों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां करते रहे हैं।

आपातकाल के दौरान संविधान की प्रस्तावना में 'धर्मनिरपेक्ष' और 'समाजवादी' शब्द जोड़े जाने पर पुनर्विचार करने के आरएसएस के आह्वान के बीच आलोक ने कहा कि इस पर देश में बहस होनी चाहिए क्योंकि यह संशोधन बी आर अंबेडकर का 'अपमान' है और यह तब किया गया जब विपक्षी नेता जेल में थे।

मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण भाजपा की 'साजिश' : प्रशांत किशोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

किशनगंज/भाषा। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को बुधवार को सत्तारूढ़ ''भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की साजिश'' करार दिया। किशोर ने यह टिप्पणी राज्य के एकमात्र मुस्लिम बहुल जिले किशनगंज में की।

जन सुराज नेता ने वादा किया कि उनकी पार्टी उन लोगों की मदद करेगी, जिनके नाम मतदाता सूची से गलत तरीके से हटा दिए गए हैं। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) भाजपा की साजिश है। उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया है कि निर्वाचन आयोग लोगों की नागरिकता निर्धारित नहीं कर सकता। क्या निर्वाचन आयोग अब इस तरह की कवायद करके यह कहना चाहता है कि 2014 की मतदाता सूची, जब नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने थे, फर्जी थी?'' किशोर ने कहा, ''पिछले साल के लोकसभा चुनावों तक यही मतदाता सूची ठीक थी। हमें आगामी विधानसभा चुनाव इसी मतदाता सूची के आधार पर कराने में कोई समस्या नहीं नजर आती।''

पूर्व चुनावी रणनीतिकार ने कहा, ''जाहिर है कि बिहार में भाजपा घबराई हुई है क्योंकि उसे एहसास है कि यहां के लोगों के पास अब जन सुराज पार्टी के रूप में एक नया विकल्प है। इसलिए वे गलत तरीके से मतदाताओं के नाम हटाने की कोशिश कर रहे हैं। जिनके नाम गलत तरीके से हटाए गए हैं, मैं उन सभी लोगों से अनुरोध करूंगा वे हमारी पार्टी से संपर्क करें। हम हर संभव मदद करेंगे।''

उत्तर प्रदेश: नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत 50 नदियों का हुआ पुनरुद्धार

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश में नमामि गंगे कार्यक्रम और मनरेगा के तहत किए जा रहे प्रयासों से कुल 50 नदियों का पुनरुद्धार किया जा चुका है। एक बयान में यह जानकारी दी गयी।

बयान में बताया गया कि अब तक 3363 किलोमीटर लंबाई वाली 50 नदियों का पुनरुद्धार किया गया है। बयान के मुताबिक, प्रदेश सरकार ने जल संरक्षण को लेकर विशेष पहल करते हुए 1011 गंगा ग्राम पंचायतों में छोटी नदियों और जल धाराओं का पुनरुद्धार कराया है।

बयान में बताया गया कि मनरेगा के तहत 86 अन्य कार्यों को चिह्नित कर नदियों की साफ-सफाई, गहरीकरण, तटबंध निर्माण, पौधरोपण, जलधारा पुनर्स्थापन और जलग्रहण क्षेत्र विकास जैसे कार्य किए गए। जल संरक्षण के साथ-साथ पर्यावरण को संतुलित करने के लिए 894 स्थलों पर सघन पौधरोपण किया गया। बयान के मुताबिक, इन पौधों को नदियों के किनारों पर लगाया गया ताकि तटबंध मजबूत हों और मिट्टी का कटाव ना हो। बयान में बताया गया कि आने वाले वर्षों में इस पहल से हरियाली बढ़ने के साथ-साथ जैव विविधता को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

बयान के मुताबिक, प्रदेश में 3388 तालाबों का निर्माण और सुदृढ़ीकरण कर ग्रामीण क्षेत्रों में जल भंडारण की क्षमता को बढ़ाया गया है।

बयान में बताया गया कि ये तालाब खेती, पशुपालन और पेयजल के स्रोत बनकर गांवों के लिए संजीवनी साबित हो रहे हैं तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है।

खुद को 'राजा' समझते हैं हिमंत, लेकिन जनता उन्हें भ्रष्टाचार के लिए जेल पहुंचाएगी : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को दावा किया कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा खुद को 'राजा' समझते हैं, लेकिन राज्य की जनता भ्रष्टाचार के लिए उन्हें जेल में पहुंचा देगी।

असम के चायगांव में कांग्रेस की एक बैठक को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि शर्मा और उनके परिवार को भ्रष्टाचार के लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, ''आपके मुख्यमंत्री में भय व्याप्त है, वह जानते हैं कि निडर कांग्रेस कार्यकर्ता उन्हें जेल में डाल देंगे।'' उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग और भाजपा एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने मतदाता सूची संशोधन के जरिए ''धांधली'' करके महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव जीता है।

गांधी ने कहा, ''वे बिहार में भी यही हथकंडे अपना रहे हैं और असम में भी यही करेंगे। हमें सावधान रहना होगा।''

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''मीडिया अब हमारा दोस्त नहीं रहा; वे सच नहीं दिखा रहे, केवल अदाणी, अंबानी, मुख्यमंत्री, मोदी और शाह को दिखा रहे हैं।''

हालांकि, गांधी ने दावा किया कि इससे कोई मदद नहीं मिलेगी क्योंकि कांग्रेस अगले साल असम में होने वाले विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत हासिल करेगी।

कांग्रेस नेता ने कहा, ''देश में विचारधाराओं की लड़ाई चल रही है; आरएसएस की नफरत और हिंसा बनाम कांग्रेस का सत्य और अहिंसा।''

राहुल गांधी ने दावा किया कि अब दो हिंदुस्तान हैं - एक उन चंद अरबपतियों का जो भव्य शादियां करते हैं, दूसरा उन आम लोगों का जो कर के बोझ तले दबे हुए हैं।

अध्यापक ने कांवड़ गीत विवाद पर स्पष्टीकरण दिया, पुलिस जांच जारी

बरेली/भाषा। उत्तर प्रदेश के बरेली में कांवड़ यात्रा के विरोध में गीत गाने को लेकर उठे विवाद पर पुलिस की कार्रवाई के बाद आरोपी अध्यापक ने एक वीडियो जारी कर स्पष्टीकरण दिया है। अधिकारी ने यह जानकारी दी। 'एमजीएम इंटर कॉलेज' के अध्यापक रजनीश गंगवार ने वीडियो में कहा, ना मैं धर्म विरोधी हूं और ना मैं सरकार का विरोधी हूं। मैं दोनों का समर्थक हूं और अगर मेरे कारण किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो मैं पुनः क्षमा प्रार्थी हूं।

पुलिस ने कावड़ लाने को लेकर विवादित गीत गाने पर शिक्षक रजनीश गंगवार के खिलाफ 14 जुलाई को मुकदमा दर्ज किया था। भाजपा नेता राहुल गुप्ता और महाकाल सेवा समिति ने शिक्षक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, जिस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। बहेड़ी थाना प्रभारी निरीक्षक संजय तोमर ने बताया कि शिक्षक रजनीश गंगवार के खिलाफ शिव भक्ति पर उंगली उठाने और जन भावनाओं को आघात पहुंचाने के मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 353 (2) के तहत महाकाल सेवा समिति की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया। गंगवार ने 15 जुलाई को प्रधानाचार्य को भेजे स्पष्टीकरण में कहा कि कक्षा में विद्यार्थियों की उपस्थिति कम हो रही थी और अन्य छात्रों से पूछने पर पता चला कि अनुपस्थित छात्र कांवड़ लेने गए थे।

भाजपा को बांग्लाभाषी लोगों का 'उत्पीड़न' नहीं बंद करने पर गंभीर राजनीतिक परिणाम भुगतने होंगे : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को भाजपा नीत केंद्र सरकार पर देश भर में बांग्ला भाषी लोगों को परेशान करने और उनके साथ दुर्व्यवहार करने की नीति पर चलने का आरोप लगाया तथा चेतावनी दी कि अगर उसने इस तरह की कार्रवाइयों पर तत्काल रोक नहीं लगाई तो उसे गंभीर राजनीतिक परिणाम भुगतने होंगे।

बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र सरकार राज्यों में अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए निर्वाचन आयोग को प्रभावित कर रही है। वह भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषी लोगों पर कथित अत्याचार के खिलाफ यहां वर्षा के दिन विरोध मार्च निकालने के बाद एक जनसभा को संबोधित कर रही थीं। बनर्जी ने रैली में आरोप लगाया, ''मैं केंद्र सरकार के उन नोटिसों को चुनौती दूंगी जो बांग्ला भाषी लोगों को परेशान करने और मामूली संदेह पर उन्हें हिरासत में लेने के लिए भाजपा शासित राज्यों को गुप्त रूप से भेजे गए थे।'' यह रैली मध्य कोलकाता के डोरीना क्रॉसिंग पर समाप्त हुई। बनर्जी ने दावा किया, '' बंगालियों के प्रति केंद्र और भाजपा के रवैये से मैं शर्मिंदा एवं निराश हूं।'' उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर भाजपा बांग्ला भाषी लोगों का उत्पीड़न करने की कोशिश करती है, तो उसका ''इंच-दर-इंच'' मुकाबला किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भगवा खेमे (भाजपा) को 2026 के विस चुनाव के दौरान 'खेला होबे' (2021 के पश्चिम बंगाल चुनाव से पहले गढ़ा गया नारा) के एक नए दौर के लिए तैयार रहना चाहिए।

असम : खरगे, राहुल ने पार्टी नेताओं के साथ कांग्रेस की भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की

गुवाहाटी/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने असम के एक दिवसीय दौरे के दौरान बुधवार को पार्टी की राज्य इकाई के पदाधिकारियों के साथ संगठन को मजबूत करने और भविष्य की रणनीति पर चर्चा की। कांग्रेस प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने कहा कि बैठक में पार्टी नेताओं ने संगठन को मजबूत करने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया गया।

गोगोई ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''असम कांग्रेस नेतृत्व के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक के लिए आज गुवाहाटी आए कांग्रेस अध्यक्ष श्री खरगे जी और विपक्ष के नेता श्री राहुल गांधी जी का स्वागत करते हुए सम्मानित महसूस कर रहा हूं।'' उन्होंने कहा, ''राजनीतिक मामलों की समिति के सदस्यों, पीसीसी पदाधिकारियों, सांसदों, विधायकों, अनुषंगी संगठनों के प्रमुखों और डीसीसी अध्यक्षों के साथ हमने संगठन को मजबूत करने और आगे आने वाली चुनौतियों के लिए तैयारी करने पर गहन चर्चा की।'' गोगोई ने इसी के साथ बंद कमरे में हुई बैठक की तस्वीर भर साझा की। पार्टी प्रवक्ता ने बताया कि खरगे और गांधी ने हवाई अड्डे के पास एक होटल में आदिवासी समुदायों के सदस्यों और उत्पीड़न, विस्थापन की धमकियों और अन्य प्रकार के उत्पीड़न का सामना कर रहे लोगों से भी मुलाकात की। दोनों नेताओं ने दिन में यहीं पर अपनी पहली बैठक की। प्रवक्ता ने दिन में बताया था कि दोनों नेताओं का दोपहर बाद गुवाहाटी से 40 किलोमीटर दूर चायगांव में पार्टी पदाधिकारियों के साथ एक और बैठक करने का कार्यक्रम है।

मणिपुर में बहुमत के बावजूद

भाजपा के सरकार बनाने में विफल रहने पर नये सिरे से चुनाव हो : कांग्रेस सांसद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के कांग्रेस सांसद अंगोमचा बिमोल अकोइजम ने कहा कि यदि भाजपा बहुमत होने के बावजूद सरकार बनाने में विफल रहती है तो राष्ट्रपति शासन वाले इस हिंसा प्रभावित राज्य में नये सिरे से चुनाव कराए जाने चाहिए। भाजपा नेता एन. बीरेन सिंह के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के चार दिन बाद 13 फरवरी को विधानसभा निलंबित कर दी गई और मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया। मणिपुर विधानसभा का कार्यकाल 2027 तक है। अकोइजम ने कहा, ''अगर आप (भाजपा) जनादेश मिलने के बावजूद लोकप्रिय सरकार नहीं बना सकते और केंद्र को राष्ट्रपति शासन की अवधि बढ़ानी ही है, तो विधानसभा भंग कर नये सिरे से चुनाव करवाए जाएं।'' केंद्र सरकार मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की अवधि बढ़ाने के लिए संसद की मंजूरी लेने और 21 जुलाई से शुरू हो रहे मानसून सत्र के दौरान राज्य की अनुदान मांगों को सदन की मंजूरी के लिए पटल पर रखने की तैयारी में है।

पंत को तकनीकी खामियों को दूर करने की जरूरत है : जैक रसेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। लंदन के एक पॉश इलाके में पेंटिंग बनाने में व्यस्त इंग्लैंड के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज जैक रसेल का मानना है कि भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अपने खेल से दर्शकों का मनोरंजन करते हैं लेकिन उन्हें विकेटकीपिंग की कुछ तकनीकी खामियों को दूर करने की जरूरत है। रसेल को क्रिकेट जगत की खबरों पर नजर रखना पसंद है। अगर वह मैदान पर नहीं होते तो वह लाइव स्कोर देखते हैं। वह रोज पेंटिंग करते है, फिर भी उन्होंने भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरे टेस्ट के लिए लॉर्ड्स जाने का समय निकाला।

खुद एक विकेटकीपर होने के नाते उनके पास जैमी स्मिथ और पंत जैसे खिलाड़ियों के लिए एक सलाह भी है। उन्होंने कहा, ''कई अच्छे विकेटकीपर रहे हैं। मैं कहूंगा कि मेरे समय में एलन नॉट और बॉब टेलर मेरे दो नायक थे।'' रसेल ने कहा, ''लेकिन मुझे सैयद किरमानी को देखना पसंद था। जब मैं छोटा था, तब मैं उन्हें बहुत देखता था। मुझे लगता था कि वह एक अच्छे विकेटकीपर हैं।'' मौजूदा विकेटकीपरों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, ''पंत की बात करूं तो आपको उन्हें खेलते हुए देखना पंसद आएगा ही। वह चाहे बल्लेबाजी कर रहे हों, या विकेटकीपिंग, आपको उन्हें देखना अच्छा लगेगा। इसलिए वह एक मनोरंजक खिलाड़ी हैं।'' उन्होंने कहा, ''और यह देखकर बहुत अच्छा लग रहा है कि वह कार दुर्घटना के बाद भी क्रिकेट भी खेल रहे हैं। मुझे लगता है कि युवा खिलाड़ी जैमी स्मिथ इंग्लैंड के सर्वकालिक महानतम बल्लेबाज और विकेटकीपर बनेंगे क्योंकि उनमें बहुत हुनर है। आप उसे गिलक्रिस्ट की श्रेणी में रख सकते हैं।'' पंत की विकेटकीपिंग में किसी कमी के बारे में पूछने पर रसेल ने कहा, ''वह गलतियां करेगा क्योंकि तकनीकी रूप से कुछ चीजें हैं जिन्हें दूर करने की जरूरत है। लेकिन वह शानदार प्रदर्शन करेगा और गलतियां भी करेगा। ज्यादातर विकेटकीपर गलतियां करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''इंग्लैंड में विकेट लेना काफी मुश्किल है। इसलिए वह यहां परफेक्ट नहीं होगा, लेकिन उसकी बल्लेबाजी बहुत मजबूत है।'' रसेल ने कहा, '' पर उसे विकेटकीपिंग में कुछ काम करने की जरूरत है, स्टंप तक खड़े होने में बस थोड़े-बहुत बदलाव करने होंगे। अगर वह मुझसे पूछेगा तो मैं उसे बता दूंगा। लेकिन ये छोटी चीजें हैं।''

मुठभेड़ में पांच लाख रुपए का इनामी नक्सली मारा गया, सीआरपीएफ के जवान की भी जान गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बोकारो/रांची/भाषा। झारखंड के बोकारो जिले में बुधवार सुबह हुई मुठभेड़ में पांच लाख रुपए का इनामी नक्सली मारा गया और इस दौरान केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान की भी जान चली गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

मुठभेड़ के दौरान एक आम नागरिक की भी जान चली गई। पुलिस ने पहले उसकी पहचान एक अन्य नक्सली के रूप में की थी। पुलिस ने बताया कि गोमिया थाना क्षेत्र के बिरहोर डेरा जंगल में सुबह करीब साढ़े पांच बजे सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता ने बताया कि गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए सीआरपीएफ और जिला पुलिस ने जंगल में छापेमारी की। उन्होंने कहा, ''नक्सलियों और सुरक्षाबलों के बीच हुई मुठभेड़ में पांच लाख रुपए का इनामी नक्सली कुंवर मांझी मारा गया।'' गुप्ता ने बताया कि मुठभेड़ में जान गंवाने वाले सीआरपीएफ के जवान की पहचान असम के कोकराझार निवासी परनेश्वर कोच के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि घटनास्थल से एक एके-47 राइफल बरामद की गई है और तलाश अभियान अब भी जारी है। गुप्ता ने कहा कि झारखंड की 95 प्रतिशत नक्सल समस्या समाप्त हो चुकी है। उन्होंने कहा, जनवरी से अब तक 20 से अधिक शीर्ष नक्सली या तो मारे गए हैं या गिरफ्तार किए गए हैं या फिर उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया है।

सुविचार

किसी भी कार्य करने के लिए तुरन्त उठो, जागो और तब तक नही रुकना जब तक लक्ष्य हासिल न हो जाए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यह दुश्चक्र तोड़ें

दिल्ली के कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियों वाले ईमेल का सिलसिला कुछ गंभीर सवाल खड़े करता है। ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। कुछ महीने पहले अन्य राज्यों में भी स्कूलों, अस्पतालों और दफ्तरों को धमकी भरे ईमेल मिले थे। हालांकि ये सभी धमकियां कोरी अफवाहें साबित हुईं, लेकिन इनसे लोगों में भय पैदा हुआ। पुलिस और प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी। इन धमकियों का मकसद क्या है? ये किसी की शरारत हैं या इनके पीछे गहरी साजिश है? जब भी किसी संस्थान को ईमेल पर ऐसी धमकी मिलती है, वहां दहशत फैल जाती है। वह संस्थान पुलिस को सूचना देता है। देखते ही देखते यह ख़बर समाचार चैनलों और सोशल मीडिया पर आ जाती है। इससे कहीं-न-कहीं लोगों में असुरक्षा की भावना पैदा होती है। वे कुछ समय के लिए अपने सुरक्षा बलों और एजेंसियों की क्षमता पर संदेह करने लगते हैं। इन धमकियों के पैटर्न पर गौर करें तो इस निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है कि कोई शरारती / आतंकी तत्त्व भारतीय नागरिकों को परेशान करना चाहता है। संभवत: वह दूर बैठकर ख़बरों पर नजर रखता होगा और पूरे घटनाक्रम पर हंसता होगा! चूंकि हमारे सुरक्षा बलों और एजेंसियों ने आतंकवाद को सख्ती से कुचला है, इसलिए आतंकी संगठन ऐसी धमकियां देकर ही खुद को थोड़ी तसल्ली देते होंगे। इन ईमेल के स्रोतों का पता लगाना जरूरी है। पूर्व में मिले धमकी भरे कई ईमेल के बारे में पता चला था कि उन्हें भेजने के लिए विदेशी सर्वरों का इस्तेमाल किया गया था। क्या ये धमकियां देने वाले तत्त्व सनसनी फैलने पर खुशी महसूस करते हैं? जब ऐसी खबरें वायरल होती हैं तो उन्हें जरूर लगता होगा कि 'हमारा काम पूरा हो गया।' सोशल मीडिया पर सूचनाओं के अनियंत्रित प्रसार के कारण एक ऐसा दुश्चक्र बन जाता है, जिससे दहशत फैलती है और शरारती तत्त्व उससे लुत्फ उठाते हैं तथा अगली धमकी की तैयारी में जुट जाते हैं।

हमें इस दुश्चक्र को तोड़ना होगा। इसके लिए मजबूत रणनीति बनाने की जरूरत है। सबसे पहले, स्कूलों, अस्पतालों या जिन संस्थानों को ऐसे ईमेल मिलें, उन्हें समझाना होगा कि वे सूचना सार्वजनिक न करें। वे पुलिस को जरूर सूचित करें, लेकिन जब सुरक्षा की दृष्टि से विद्यार्थियों, कर्मचारियों आदि को बाहर निकालें तो सनसनी न फैलाएं। यह बात सोशल मीडिया पर न आए तो ही बेहतर है। स्कूलों, कॉलेजों और अन्य संस्थानों में समय-समय पर मॉक ड्रिल का आयोजन करना चाहिए। इससे विद्यार्थी और कर्मचारी अधिक अनुशासित एवं अभ्यस्त होंगे। नागरिकों को भी समझाना होगा कि हर जानकारी सोशल मीडिया पर डालने के लिए नहीं होती है। यह 'सूचना युद्ध' का दौर है। इसमें दुश्मन चाहता है कि हम ऐसी सूचनाएं शेयर करें, जो उसके लिए फायदेमंद हों। सोचिए, जब विदेशों में लोग सोशल मीडिया पर पढ़ते होंगे कि भारत की राजधानी समेत कई शहरों में बम की धमकियां मिल रही हैं तो क्या वे यहां पर्यटन के लिए आना चाहेंगे? क्या वे अपने दोस्तों, रिश्तेदारों, परिचितों को सलाह देंगे कि आप भारत घूमने जाएं? क्या वे यहां निवेश करना चाहेंगे? ये धमकियां अफवाह साबित होती हैं, लेकिन तब तक नुकसान हो जाता है। विदेशों में कितने लोग यह जानने को इच्छुक होंगे कि धमकी भरे ईमेल किसी की खुराफात थे? अपने देश में ही देख लें; जब 'बम की धमकी' संबंधी कोई पोस्ट सोशल मीडिया पर डाली जाती है तो लोग उस पर तुरंत प्रतिक्रिया देते हैं। उसे शेयर भी ज्यादा किया जाता है। जब यह पता चलता है कि उक्त धमकी एक अफवाह थी, तो उससे संबंधित पोस्ट को उतनी प्रतिक्रिया नहीं मिलती। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि सनसनी न फैलाएं। पुलिस और जांच एजेंसियों का सहयोग करें। शरारती तत्त्वों को हंसने का मौका न दें।

ट्वीटर टॉक

आज अजमेर में राजस्थान महिला कल्याण मंडल के स्वर्ण जयंती समारोह में सम्मिलित होकर उपस्थित महिलाओं, दिव्यांगजनों तथा मंडल के पदाधिकारियों को इस सुअवसर पर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। मंडल ने बाल अधिकारों की रक्षा जैसे क्षेत्रों में अतुलनीय योगदान दिया है।

-दीया कुमारी

संवेदनशील नेतृत्वकर्ता माननीय के मार्गदर्शन में बनी प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना किसानों को नए दौर में ले जाने की क्षमता रखती है। मोदी की कैबिनेट द्वारा स्वीकृत की गई यह योजना विकसित भारत-उन्नत किसान को लक्षित करती है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

असम का मुख्यमंत्री भारत का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री है - और, कुछ ही समय में कांग्रेस के बब्बर शेर उसे जेल पहुंचाएंगे। इसका डर उसकी आंखों में साफ दिख रहा है - क्योंकि उसे अब न मोदी बचा पाएंगे और न ही शाह!

राहुल गांधी

प्रेरक प्रसंग

अन्याय से सीढ़ियां

एक दिन कर्ण, मन में गहरे दर्द और अन्याय की टीस लिए भगवान श्रीकृष्ण के पास पहुंचे। उनकी आंखों में आक्रोश और मन में पीड़ा थी। उन्होंने कहा, 'हे मधुसूदन! जन्म लेते ही मां ने त्याग दिया। गुरु द्रोण ने शिक्षा देने से मना कर दिया। द्रौपदी के स्वयंवर से मुझे अपमानित करके भगा दिया गया। पिता कहलाने वाला व्यक्ति जीवनभर छिपा रहा। क्या मेरा कसूर सिर्फ यह था कि मैं सूतपुत्र था?' कृष्ण मुस्कराए, कर्ण की आंखों में गहराई से देखा और शांत स्वर में बोले, 'हे सूर्यपुत्र! तेरा दर्द तेरा है, पर सुन मेरी भी कहानी। मेरा जन्म ही जेल में हुआ। जन्म लेते ही मां-बाप से अलग कर दिया गया। मैंने गायें चराईं, गोबर उठाया। मेरा सगा मामा मेरी जान का दुश्मन था। बचपन से मृत्यु की छाया में पला। तेरी तरह मेरी भी चुनौतियां कम नहीं थीं। मेरे जीवन में भी अन्याय की कमी नहीं थी, पर अंतर यह था कि तू बीते कल की कड़वाहट में जीता रहा, और मैंने हर अन्याय का उत्तर अपनी कर्मभूमि से दिया।' कृष्ण आगे बोले, 'प्रश्न यह नहीं है कि तुम्हारे साथ अन्याय हुआ या नहीं। प्रश्न यह है कि तुम उस अन्याय का उत्तर कैसे देते हो।' कर्ण मौन रह गया। अब वह केवल सूतपुत्र नहीं रहा, वह एक उत्तर की तलाश में व्यक्ति बन गया।

सामयिक

छांगुर के इस्लामीकरण तंत्र को कैसे देखें ?

अवधेश कुमार

मोबाइल : 9811027208

भारत में इस्लामिक कट्टरता का मुख्य आधार उत्तर प्रदेश है। पुलिस प्रशासन का भ्रष्टाचार, अनेक नेताओं की दिशाहीनता तथा कायरता ही इसके पीछे मूल कारण है। मदरसों के सर्वेक्षणों में भी भ्रष्टाचार ने कालिख पोत दिया। मदरसों गैर निबंधित होना सबसे छोटा पहलू था। मुख्य पहलू यह है कि छोटे-छोटे मदरसा चलाने वाले मौलवी भी इतनी विदेश यात्राएं क्यों और कैसे करते हैं, उनके पास सुख -सुविधा कहां से आई? कुछ वर्षों के उनके पासपोर्ट वीजा तथा नामी बेनामी संपत्तियों पर नजर डालने की आवश्यकता थी है।

उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में हिंदुओं को मुसलमान बनाने का जैसा तंत्र सामने है वह देश के प्रत्येक व्यक्ति के लिए चेतावनी है। यह स्वतंत्र भारत का अब तक का एक व्यक्ति केंद्रित हिंदुओं को मुसलमान बनाने का ऐसा सबसे बड़ा तंत्र सामने आया है जो कंपनी की तरह व्यवस्थित है, जिसकी अनेक परतें हैं, जिसमें हिंदुओं को फंसाने, बरगलाने के लिए युवक-युवतियों की तैयार फौज सक्रिय है, उनकी संख्या बढ़ाई जा रही है और तंत्र के स्थायी देशव्यापी ठोस ढांचे के रूप में विस्तृत होने की प्रक्रिया भी जारी है। छांगुर उर्फ जिंदा पीर उर्फ जलालुद्दीन को जिन्होंने कपड़ों की फेरी लगाते, अंगूठी, नग, माला देते देखा होगा उन्होंने सपने में भी उसके वर्तमान रूप की कल्पना नहीं की होगी। ऐसा व्यक्ति, जिसका अपने समाज में भी महत्व नहीं हो, 500 करोड़ से ज्यादा का साम्राज्य खड़ा कर ले, विदेशों में भी उसका नेटवर्क हो जाए, हिंदू लड़कियों-महिलाओं को मुसलमान बनाता रहे और उसके विरुद्ध शिकायत करने वाले की ही शामत आ जाए तो इसके विश्लेषण के लिए शब्द ढूंढने पड़ेंगे। देश-विदेश में मोटा-मोटी तीन दर्जन बैंक खाते, जिनमें लगातार धन आ और निकल रहे हों किसी बड़ी कंपनी की गतिविधियों जैसी है। बलरामपुर का मधुपुर गांव उत्तर प्रदेश एटीएस यानी आतंक विरोधी दस्ता, पुलिस, प्रशासनिक अधिकारियों, आयकर विभाग, ईडी से लेकर मीडिया की गतिविधियों का केंद्र बना है। प्राथमिक सूचना थी कि वह लगभग 1500 हिंदुओं को इस्लाम मजहब में ला चुका है किंतु अब कई गुना ज्यादा संख्या सामने आ सकती है। इस घटना के अभी अनेक पहलू रहस्य में हैं। यह ऐसे काफी प्रश्न उठाता है जिन पर विचार करना आवश्यक है?

उसके बारे में नियमित हैरत में डालने वाली नई जानकारियां सामने आ रहीं हैं जो धरातल पर थीं। गांव में तीन बिघे में बना हुआ 70 कमरे का आलीशान मकान जिसमें सारी आधुनिक सुख-सुविधायें और निर्माण ऐसी कि लोगों को बंद कर कुछ भी कर दिया जाए तो बाहर पता न चले। आठ बुलडोजर को 40 कमरे वाले हिस्से को तोड़ने में तीन दिन लगे। उसकी कहानी पर सहसा विश्वास नहीं होता। उसकी ताबीज़ या नगों से कुछ लोगों को कठिनाइयों से थोड़ी बहुत मुक्ति मिली तो उन्होंने छांगुर को पीर मनाना शुरू किया और उसकी ख्याति बढ़ी।

पत्नी को प्रधानी का चुनाव लड़वाया, वह दो बार जीती और क्षेत्र में उसका कद बढ़ा। इसके पीछे भी कितने लोगों का दिमाग था इसकी परतें खुलनी अभी बाकी है। नीतू और नवीन के मुसलमान बनने के दस्तावेज दुबई के हैं। यह कैसे संभव हुआ? वे अनेक बार विदेश गए। दोनों के 19 बार दुबई जाने के रिकॉर्ड हैं जिनमें केवल एक बार साथ गये! अजीब रहस्य है। ईसाई मिशनरियां दलितों व जनजातियों को लक्ष्य बनाकर धर्मांतरण करतीं हैं। उनके पास हर क्षेत्र का जनांकिकीय डाटा है। उसने वहां से डाटा हासिल किया और उत्तर प्रदेश के अलावा 550 से ज्यादा जिलों की पहचान की थी जहां हिंदू युवतियों- महिलाओं को मुस्लिम बनाने का योजनाबद्ध अभियान चलना था। कुछ हजार को उतारा भी था। सोचिए, कितनी बारीकी से वह भारत के इस्लामीकरण पर काम कर रहा था और हिंदू या गैर मुस्लिम बहुसंख्य समाज में उसका बाल तक बांका नहीं हुआ। उसके अकेले के दिमाग की बात नहीं हो सकती। क्या यह आपको नए सिरे से ऐसे तत्वों के मुकाबले के लिए भूमिका तैयार करने की चेतावनी नहीं है? हिंदू जाति व्यवस्था का ताना देने वाले ध्यान रखें कि बड़ी संख्या में ब्राह्मण और राजपूतों की लड़कियों ने छांगुर तंत्र के प्रभाव-दबाव में इस्लाम कबूल किया है। नीतू वोरा और नवीन वोरा ही नसरीन और जमालुद्दीन कैसे बन गए? इनके मामले में जाति पहलू नहीं है। मुंबई में व्यापार करने वाले दोनों पति-पत्नी कठिनाई में संपर्क में आए। वह मुंबई जाने पर उन्हीं के यहां ठहरने लगा। इन दोनों ने तय कर लिया कि गांव में उसके साथ ही रहना है और इसलिए संपत्ति बेची। छांगुर की हिंदुओं के इस्लामीकरण की कल्पना को साकार करने के लिए जिंदगी लगा दी। घर के साथ शहर की जमीन, दूकानें भी नीतू के नाम है। इनके खातों में ही ज्यादा धन आए और निकले। कोई अपने विचार से मजहब बदले यह उसका अधिकार है। किंतु धन, बाहुबल और हर तरीके से जाल में लाकर, विवश कर इस्लामीकरण का यह तंत्र अपराधियों माफियाओं का गिरोह जैसा था।आम लोगों का उसमें फंसकर विवश हो जाना आश्चर्य का विषय नहीं है। शायद छांगुर का भयानक तंत्र कायम रहता यदि चंगुल में फंसी कुछ लड़कियां, महिलायें बाहर नहीं आती।

एक घटना में अनाम से संगठन विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने जब लखनऊ में कुछ की हिंदू धर्म में वापसी का हवन किया और मीडिया में बातें आई तब देश के संज्ञान में आया कि छांगुर इन सबके पीछे है। यह स्थिति डराने के साथ खीझ भी पैदा करती है कि एक व्यक्ति सरेआम हिन्दुओं को मुस्लिम बनाने की इस्लामी कॉर्पोरेट शैली में कंपनी खड़ी कर उत्तर प्रदेश से विदेश तक विस्तारित कर लेता है और पुलिस, प्रशासन, संगठनों, जनप्रतिनिधियों को इतने वर्षों तक पता नहीं चलता। उसने मुख्य मार्ग से अपने किले तक 500 मीटर सड़क बना लिया। 50 कमांडो तैयार किए जो खुलेआम चलते थे। ऐसा संभव नहीं कि लोग पुलिस, प्रशासन, जनप्रतिनिधियों तक शिकायत लेकर नहीं गये हों। पुलिस प्रशासन में हैसियत ऐसी कि छांगुर का सहयोगी भागकर पुलिस में शिकायत किया, पर उसके विरुद्ध ही धारा 307 के तहत मुकदमा दर्ज हो गया। एक स्थानीय मुस्लिम उसके बारे में पत्र लिखते रहे लेकिन कहीं सुनवाई नहीं हुई। उसके खातों में विदेश से पैसे आते रहे, उसके लोग असामान्य रूप से विदेश जाते-आते रहे और केंद्रीय एजेंसियों के कान खड़े नहीं हुए। तो इसके अर्थ क्या हैं? प्रदेश के जितने पुलिस प्रशासन के लोगों का नाम आ रहा है वे सब हिंदू हैं। राजस्थान के उदयपुर के स्वर्गीय कन्हैयालाल की शिकायत भी पुलिस ने दर्ज नहीं की और गला काट कर उनकी हत्या हो गई। बिहार में 3 वर्ष पहले पीएफआई के 2047 तक भारत को गजवा ए हिंद बनाने के तंत्र मामले में भी फुलवारी शरीफ के मुस्लिम पुलिस अधिकारी के मोबाइल पर खतरनाक मैसेज आया, पर उसकी शिकायत को फाइलों में बंद कर दिया गया। ऐसा अनेक मामलों में होता है। यह सच है कि केंद्र और अनेक प्रदेशों में भाजपा की सरकारें आने के बाद स्थिति बदली है और आज केंद्र तथा प्रदेश की भाजपा सरकार के कारण ही कार्रवाई संभव हो सकी। दूसरी सरकारों में छांगुर और उसके मजहबी उन्मादी सहयोगी इस्लामीकरण का पूरा माफिया तंत्र कायम कर चुके होते। बावजूद स्वीकारना होगा कि अभी भी मजहबी मतांतरण, लव जेहाद, मजार, मदरसों के नाम जमीन कब्जा करने आदि अनेक मामलों की आरंभिक शिकायत पुलिस प्रशासन गंभीरता से नहीं लेती, प्रायः संगठनों, राजनीति का रवैया भी उत्साहजनक नहीं रहता तथा उनके विरुद्ध काम करने वालों के जीवन में ही संकट पैदा हो जाते हैं।

ट्रेजेडी देखिए, अभी तक भाजपा विरोधी पार्टियों, नेताओं, एक्टिविस्टों मीडिया के पुरोधाओं में से किसी ने इस पर समान्य विरोधी प्रतिक्रिया भी व्यक्त नहीं की है। क्या निर्दोष, निरपराध हिंदू लड़कियों महिलाओं की इज्जत, गरिमा, उनके मानवाधिकार का महत्व नहीं? इसका उत्तर उनसे मांगा जाना चाहिए। ऐसे मामलों में एकमात्र भाजपा ही हिंदुओं के साथ खड़ी दिखती है। बावजूद उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के अंदर ऐसा होना बताता है कि पूरे एप्रोच में आमूल बदलाव की आवश्यकता है। भारत में इस्लामिक कट्टरता का मुख्य आधार उत्तर प्रदेश है। पुलिस प्रशासन का भ्रष्टाचार, अनेक नेताओं की दिशाहीनता तथा कायरता ही इसके पीछे मूल कारण है। मदरसों के सर्वेक्षणों में भी भ्रष्टाचार ने कालिख पोत दिया। मदरसों गैर निबंधित होना सबसे छोटा पहलू था। मुख्य पहलू यह है कि छोटे-छोटे मदरसा चलाने वाले मौलवी भी इतनी विदेश यात्राएं क्यों और कैसे करते हैं, उनके पास सुख -सुविधा कहां से आई? कुछ वर्षों के उनके पासपोर्ट वीजा तथा नामी बेनामी संपत्तियों पर नजर डालने की आवश्यकता थी है। भारत के हिंदुओं या सनातनियों को समझ में आना चाहिए कि चारों तरफ उनके विरुद्ध अलग-अलग तंत्र के रूप में घात लगाए हर अस्तर से शक्तिशाली शिकारियों का झुंड बैठा है। आप चौकन्ने रहकर उनके मुकाबले के लिए तैयार नहीं है तो फिर कोई सरकार या व्यवस्था आपको हिंदू या सनातनी के रूप में बचा नहीं सकती।

नजरिया

निरंकुश अभिव्यक्ति से जुड़े सुप्रीम फैसलों का स्वागत हो

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एंटी सोशल अभिव्यक्ति की सुनवाई करते हुए समय-समय पर जो कहा, वह जहां संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिहाज से खासा अहम है वहीं एक संतुलित एवं आदर्श राष्ट्र एवं समाज व्यवस्था का आधार भी है। सोशल मीडिया मंचों पर एंटी सोशल अभिव्यक्ति के चलते उपजी विभाजनकारी एवं विध्वंसकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश की जरूरत बताते हुए देश की शीर्ष अदालत ने आत्म-नियमन, वाणी संयम एवं विचार संयम की जरूरत बतायी है। धर्म विशेष के देवी-देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट के चलते कई राज्यों में प्राथमिकी दर्ज हुई एवं यह याचिका दायर की गई। दरअसल, जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने एक व्यक्ति द्वारा दायर इसी याचिका पर विचार करते हुए कहा कि समाज में विद्वेष, घृणा व नफरत फैलाने वाले संदेश समरसता, सौहार्द एवं सद्भावना के भारतीय परिवेश के लिये गंभीर चुनौती बने हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़ी इन जटिल होती स्थितियों को गंभीरता से लिया और अनेक धुंधलकों को साफ किया है। अदालत का कहना था कि नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का मूल्य समझना चाहिए। साथ ही इस अधिकार का इस्तेमाल करते हुए आत्म-संयम बरतना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी व धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने से जुड़े अनेक मामलों के साथ-साथ ताजा मामले में जो फैसले किए हैं और इस दौरान जो टिप्पणियां की हैं, उसके निहितार्थों को समझते हुए इन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के जुड़े फैसलों रूपी उजालों का स्वागत होना ही चाहिए।

आज सोशल मीडिया जैसे मंचों के बेजा इस्तेमाल की प्रवृति बढ़ रही है, फेसबुक, ट्विटर, यू-ट्यूब जैसे सोशल मंचों एवं टीवी चैनलों पर ऐसी सामग्री परोसी एवं प्रस्तुत की जा रही है, जो अशिष्ट, अभद्र, हिंसक, भ्रामक, राष्ट्र-विरोधी एवं समुदाय विशेष के लोगों को आहत करने वाली होती है, जिसका उद्देश्य राष्ट्र को जोड़ना नहीं, तोड़ना है। इन सोशल मंचों पर ऐसे लोग सक्रिय हैं, जो तोड़-फोड़ की नीति में विश्वास करते हैं, वे चरित्र-हनन और गाली-गलौच जैसी ओछी हरकतें करने के लिये उद्यत रहते हैं तथा उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक नीति अपनाते हुए अराजक माहौल बनाते हैं। एक प्रगतिशील, सभ्य एवं शालीन समाज में इस तरह की हिंसा, अश्लीलता, नफरत और भ्रामक सूचनाओं की कोई जगह नहीं होनी चाहिए, लेकिन विडम्बना है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कानून के चलते सरकार इन अराजक स्थितियों पर काबू नहीं कर पा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने चेताया है कि यदि सोशल मीडिया पर विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश नहीं लगता तो सरकार को हस्तक्षेप करने का मौका मिलता है, जो एक अच्छी स्थिति नहीं होगी। आज सोशल मीडिया, समाचार चैनलों और राजनीतिक मंचों पर जिस प्रकार की उग्र भाषा, झूठे आरोप, धार्मिक विद्वेष और भावनात्मक उकसावे देखे जा रहे हैं, वे न केवल समाज को विभाजित कर रहे हैं, बल्कि लोकतांत्रिक संवाद की गरिमा को भी ठेस पहुँचा रहे हैं। यही वजह है कि कोर्ट को कहना पड़ा कि वह नियमन के लिये दिशा-निर्देश जारी करने पर विचार कर रही है। दरअसल, अदालत का मानना था कि भारत के संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ए) नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' देता है, इसके तहत प्रत्येक नागरिक को विचार, वाणी, लेखन, चित्रण आदि के माध्यम से स्वतंत्र रूप से अपनी बात कहने का अधिकार है। लेकिन आज इस अधिकार के दुरुपयोग की घटनाएं जिस प्रकार सामने आ रही हैं, वह चिंता का विषय बन चुकी हैं। इसलिए आज जरूरत है विचार संयम और वाणी संयम की। इसीलिये अनुच्छेद 19(2) इसके कुछ उचित प्रतिबंध' भी निर्धारित करता है जैसे भारत की संप्रभुता और अखंडता, देश की सुरक्षा, राज्य की अखंडता, लोक व्यवस्था, शालीनता या नैतिकता, अश्लील या अनैतिक भाषण, अदालत की अवमानना, मानहानि, अपराध के लिए उकसावा एवं अन्य देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों से जुड़ी अराजकता पर प्रतिबंध, इन प्रतिबंधों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि स्वतंत्रता का उपयोग अनुशासन और राष्ट्रीय हितों की मर्यादा में हो। संविधान के अनुच्छेद 19(2) के तहत मिली आजादी असीमित कदापि नहीं है।

ताजा मामलों में कई राज्यों में स्वतंत्र अभिव्यक्ति के नियमन को लेकर सरकारी कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। कई जगह विचारों की अभिव्यक्ति व कार्टून आदि बनाने को राजनीतिक दुराग्रह बताते हुए लोगों को गिरफ्तार तक किया गया है। जिसे राजनीतिक दलों द्वारा बदले की भावना से की कार्रवाई बताया जाता रहा है। आरोप लगाया जाता रहा है कि सत्तारूढ़ दल की विचारधारा के अनुरूप अमर्यादित एवं अशालीन अभिव्यक्ति के बावजूद कोई एक्शन नहीं लिया जाता। लेकिन दूसरे राज्य में अन्य राजनीतिक दल की सरकार में यही अभिव्यक्ति अपराध बन जाती है। कोई नहीं चाहता कि आम नागरिक की अभिव्यक्ति की आजादी को सरकार नियंत्रित करे। सही मायनों में लोगों को समझना चाहिए कि देश की एकता व अखंडता बनाये रखना मौलिक कर्तव्य ही है। अदालत ने इस बाबत सवाल भी किया कि नागरिक स्वयं को संयमित क्यों नहीं कर सकते? राजनीतिक दल, धार्मिक नेता या उग्रवादी कार्यकर्ता क्यों समाज में विषवमन करते हुए विवादास्पद एवं वर्ग-धर्म विशेष के लोगों की भावनाओं को आहत करने वाले कटू एवं कड़वे बयान देते हैं? कोर्ट का मानना था कि लोग तभी अभिव्यक्ति की आजादी का आनन्द ले सकते हैं जब यह संयमित ढंग से व्यक्त की जाए। शीर्ष अदालत की पीठ का मानना था कि नागरिकों के बीच भाईचारा होना चाहिए, तभी समाज में नफरत से मुकाबला किया जा सकता है। तभी हम गंगा-जमुनी सांझा संस्कृति के राष्ट्र एवं समाज का निर्माण कर सकते हैं।

आज के दौर में हमें विचार संयम और वाणी संयम को अपनी संस्कृति और लोकतंत्र की आधारशिला बनाना होगा। जैसाकि स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि बोलने से पहले तीन बार सोचो, क्या यह सत्य है? क्या यह आवश्यक है? क्या यह दूसरों को आहत तो नहीं करेगा? संविधान हमें अधिकार देता है, लेकिन उसके साथ आत्मानुशासन और समाजहित की अपेक्षा भी करता है। यदि हम इसे समझ लें, तो हमारा लोकतंत्र और अधिक सशक्त और समरस बन सकता है। अभिव्यक्ति की आजादी लोकतंत्र की आत्मा है, लेकिन जब यह सीमा पार करती है तो देश की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता को खतरा उत्पन्न होता है। सुप्रीम कोर्ट बार-बार यह संदेश दे रहा है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी और मर्यादा जुड़ी है। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का भी मानना था कि यदि आपके शब्द राष्ट्र को प्रेरित करने की बजाय भटकाने लगे, तो वह आजादी नहीं, अराजकता है। सोशल मीडिया आज एक ऐसा ही अस्त्र बन गया है जो जरा सी चूक से घातक साबित हो सकता है। वास्तव में हर नागरिक को इतना सचेत व जागरूक होना जरूरी है कि वह विभिन्न स्रोतों से आने वाली सामग्री से जुड़ी मंशा को समझ सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा था कि लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन मर्यादा टूटे तो वह विरोध नहीं, विघटनकारी गतिविधि बन जाती है। ऐसी ही विघटनकारी गतिविधियां सोशल मीडिया पर विनाशकारी स्वरूप लेती जा रही है। यह निर्विवाद सत्य है कि विभिन्न राजनीतिक दलों व संगठनों द्वारा सोशल मीडिया मंच का जमकर दुरुपयोग किया जाता रहा है। वहीं लोगों का कसूर यह है कि दल विशेष के एजेंडे वाली सामग्री को वे बिना पढ़े, दूसरे लोगों व समूहों में शेयर कर देते हैं। दरअसल, आम नागरिकों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए कि सोशल मीडिया पर उनका संयमित व्यवहार कैसा होना चाहिए? बहुत से लोगों को यह पता नहीं होता है कि सोशल मीडिया पर शेयर की जा रही सामग्री की कितनी संवेदनशीलता है? कई लोग जाने-अनजाने में ऐसी सामग्री दूसरे व्यक्तियों व समूहों में शेयर कर देते हैं जो राष्ट्र एवं समाज विरोधी हो सकती है। दरअसल, वे उसकी मूल सामग्री को बनाने वाले के छिपे एजेंडे को नहीं भांप पाते। कभी-कभी भावावेश में लोग ऐसे कदम उठा देते हैं। जाहिर है, उच्छृंखल हुए बिना आजादी के उपयोग में ही नागरिक का भी भला है और समाज का भी।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शिवभक्त

बुधवार को हरिद्वार में महाशिवरात्रि के अवसर पर अपने-अपने गृह नगरों में भगवान शिव को अर्पित करने के लिए कांवड़ में पवित्र गंगा जल भरकर लौटते शिवभक्त।

जम्मू कश्मीर में आतंकी समूहों के लिए नए 'ओवरग्राउंड वर्कर्स' हैं ड्रोन

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी समूहों के लिए ड्रोन नए 'ओवर ग्राउंड वर्कर्स' (ओजीडब्ल्यू) के रूप में उभरे हैं, जिससे सुरक्षा एजेंसियों के बीच चिंता पैदा हो गई है क्योंकि निगरानी और रसद के लिए मनुष्यों के नेटवर्क से मानव रहित वायु यानों की ओर यह बदलाव क्षेत्र के सुरक्षा परिदृश्य में एक नई चुनौती पैदा कर रहा है। अधिकारियों ने बुधवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि ओजीडब्ल्यू की मानव नेटवर्क पर निर्भरता काफी कम हो गई है क्योंकि सुरक्षा बलों के बढ़ते दबाव के कारण उनमें से कई गिरफ्तार हो गए हैं या छुप गए हैं।

अधिकारियों ने कहा कि मानव नेटवर्क से ड्रोन तकनीक की ओर यह बदलाव असमान युद्ध में एक नया आयाम है, क्योंकि पाकिस्तान की एजेंसी आईएसआई भी ड्रोन की मदद से आतंकवादियों को नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार भेजने के अपने प्रयासों को तेज कर रही है। उन्होंने कहा कि कश्मीर क्षेत्र के साथ-साथ किश्तवाड़ और राजौरी में ऊंचाई वाले इलाकों में छुपे कुछ आतंकवादी अपनी ओर आने वाले सैनिकों पर निगरानी के लिए इन ड्रोनों का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने इसे पिछले कुछ आतंकवाद-रोधी अभियानों में सफलता की दर कम रहने का एक कारण बताया।

अधिकारियों ने बताया कि कुछ मामलों में माना जाता है कि ड्रोन जम्मू क्षेत्र के ऊपरी इलाकों में छुपे आतंकवादियों के लिए सूखा राशन ले जा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने के लिए आतंकवादी समूहों द्वारा ड्रोन का इस्तेमाल 27 जून, 2021 को शुरू हुआ, जब दो मानवरहित हवाई यान (यूएवी) जम्मू हवाई अड्डे की इमारतों से टकराए, जिससे संघर्ष में वृद्धि हुई।

साल 2017 के बाद, ड्रोन का इस्तेमाल शुरू में नशीली दवाओं की तस्करी के लिए और बाद में पंजाब में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर हथियार गिराने के लिए किया गया, जिसे अधिकारियों ने जम्मू-कश्मीर में सीधे हमलों के लिए उनके इस्तेमाल से पहले का प्रथम कदम माना।

बैठक

गुवाहटी में बुधवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी राजनीतिक मामलों की समिति, प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारियों, सांसदों, विधायकों, फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करते हुए।

अमेरिका ने तीसरे देश के निर्वासित लोगों को एस्वातिनी भेजा

केप टाउन/एपी। अमेरिका ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के गोपनीय तृतीय-देश निर्वासन कार्यक्रम के तहत पांच लोगों को अफ्रीकी देश एस्वातिनी निर्वासित कर दिया है। अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने हाल ही में लोगों को उन देशों में भेजने पर लगाया गया प्रतिबंध हटा दिया था, जहां से उनका कोई संबंध नहीं है। इसके बाद ट्रंप प्रशासन ने आठ लोगों को एक अन्य अफ्रीकी देश दक्षिण सूडान निर्वासित कर दिया था। हालांकि, दक्षिण सूडान की सरकार ने यह बताने से इनकार कर दिया है कि लगभग दो हफ्ते पहले पहुंचने वाले इन लोगों को कहां रखा गया है। गृह सुरक्षा विभाग की सहायक मंत्री ट्रिशिया मैकलॉघलिन ने मंगलवार देर रात 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि वियतनाम, जमैका, क्यूबा, यमन और लाओस के पांच नागरिकों को एक विमान से एस्वातिनी भेज दिया गया है। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि इन लोगों को कब भेजा गया और इन्हें कहां रखा गया है।

मैकलॉघलिन ने कहा कि ये सभी लोग दोषी ठहराए गए अपराधी थे और इतने बर्बर व्यक्ति थे कि उनके मूल देशों ने उन्हें वापस लेने से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा कि ये लोग अमेरिकी समुदायों को आतंकित कर रहे थे, लेकिन अब उन्हें अमेरिकी धरती से बाहर कर दिया गया है।

मैकलॉघलिन ने कहा कि इन लोगों को हत्या और बच्चों के साथ बलात्कार जैसे अपराधों के लिए दोषी ठहराया गया था और इनमें से एक बड़े गिरोह का कुख्यात सदस्य रह चुका है।

दक्षिण सूडान की तरह ही एस्वातिनी के अधिकारियों ने भी फिलहाल तीसरे देश के निर्वासित लोगों को स्वीकार करने के सिलसिले में अमेरिका से कोई समझौता होने के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है, न ही उन्होंने यह बताया है कि देश में इन लोगों के साथ क्या किया जाएगा।

एस्वातिनी के नागरिक समूहों ने देश की सरकार की ओर से गोपनीयता बरते जाने पर चिंता जताई है, जिस पर लंबे समय से मानवाधिकारों का हनन करने का आरोप है।

लोकतंत्र समर्थक समूह एसडब्ल्यूएएलआईएमओ के प्रवक्ता इंगिफाइल दलामिनी ने एक बयान में कहा, इन निर्वासितों को स्वीकार करने के लिए अमेरिका के साथ किसी भी समझौते या समझ के संबंध में एस्वातिनी सरकार की ओर से आधिकारिक संचार का अभाव रहा है।

दलामिनी ने कहा, इस अस्पष्टता के कारण नागरिक संस्थाओं के लिए इसके निहितार्थों को समझना कठिन हो जाता है। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि उन्हें हिरासत केंद्र में रखा गया है या नहीं, उनकी कानूनी स्थिति क्या है और निर्वासित लोगों के लिए एस्वातिनी सरकार की क्या योजना है।

अभिनेत्री वाणी कपूर और सुरवीन चावला मुंबई में मंडला मर्डर्स के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम शिरकत करती हुई।

'अकबर क्रूर लेकिन सहिष्णु था, परन्तु बाबर निर्मम था'

नई दिल्ली/भाषा। एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की नई पाठ्यपुस्तक में मुगल सम्राटों के शासनकाल का वर्णन करते हुए कहा गया है कि अकबर का शासन ''क्रूरता'' और ''सहिष्णुता'' का मिश्रण था, बाबर एक ''निर्मम आक्रमणकारी''था, जबकि औरंगजेब एक ''सैन्य शासक'' था, जिसने गैर-मुस्लिमों पर जजिया लगा दिया था। इस सप्ताह प्रकाशित पुस्तक ''एक्सप्लोरिंग सोसाइटी: इंडिया एंड बियॉन्ड'' एनसीईआरटी (राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान और परीक्षण परिषद)के नए पाठ्यक्रम की पहली पुस्तक है, जो विद्यार्थियों को दिल्ली सल्तनत, मुगलों, मराठों और औपनिवेशिक युग से परिचित कराती है। पहले के संस्करणों में कक्षा 7 में इनमें से कुछ विषयों को शामिल किया गया था। एनसीईआरटी का कहना है कि अब इस कालखंड को पूरी तरह से कक्षा 8 में स्थानांतरित कर दिया गया है, जो स्कूल शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफएसई) 2023 की सिफारिशों के अनुरूप है। पुस्तक के आरंभ में ''इतिहास के कुछ अंधकारमय काल पर टिप्पणी'' शीर्षक वाला एक खंड है। इसमें एनसीईआरटी ने संवेदनशील और हिंसक घटनाओं, मुख्य रूप से युद्ध और रक्तपात को शामिल किया है। इसमें दिये गये नोट में छात्रों से आग्रह किया गया है कि वे ''क्रूर हिंसा, अपमानजनक कुशासन या सत्ता की गलत महत्वाकांक्षाओं के ऐतिहासिक मूल'' को निष्पक्षता से समझें। इसमें कहा गया, ''अतीत की घटनाओं के लिए आज किसी को भी जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए।'' नई पुस्तक में, भारतीय इतिहास के 13वीं से 17वीं शताब्दी तक के कालखंड को 'भारत के राजनीतिक मानचित्र का पुनर्निर्माण' नामक अध्याय के तहत शामिल किया गया है। इसमें दिल्ली सल्तनत के उत्थान और पतन तथा उसका प्रतिरोध, विजयनगर साम्राज्य, मुगलों और उनका प्रतिरोध तथा सिखों के उत्थान पर प्रकाश डाला गया है।

एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की नई सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक छात्रों को दिल्ली सल्तनत और मुगलों से परिचित कराती है। इसमें बाबर को ''एक बर्बर और निर्मम विजेता बताया गया, जिसने शहरों की पूरी आबादी का कत्लेआम किया''। इसमें औरंगजेब को एक सैन्य शासक बताया गया है, जिसने मंदिरों और गुरुद्वारों को नष्ट किया। इसमें उस काल के दौरान ''धार्मिक असहिष्णुता के कई उदाहरण'' बताए गए हैं।

किताब में अकबर के शासनकाल को विभिन्न धर्मों के प्रति ''क्रूरता और सहिष्णुता का मिश्रण'' बताया गया है, साथ ही यह भी बताया गया है कि ''प्रशासन के उच्च स्तरों पर गैर-मुसलमानों को अल्पसंख्यक रखा गया था''।

यादों में कानन : भारत की पहली फीमेल सुपरस्टार

नई दिल्ली/एजेन्सी

जब भी भारतीय सिनेमा में सुपरस्टार की बात होती है, तो अक्सर पुरुष कलाकारों का नाम लिया जाता है। लेकिन, इनके बीच एक ऐसी महिला थीं, जिन्होंने बंगाली सिनेमा में पहली सुपरस्टार का खिताब हासिल किया और उन्हें 'मेलोडी क्वीन' के नाम से जाना गया। यह कहानी है भारतीय सिनेमा की महान अभिनेत्री, गायिका और फिल्म निर्माता कानन देवी की। उनकी अद्भुत प्रतिभा, मधुर आवाज, भावपूर्ण अभिनय और साहसी व्यक्तित्व ने उन्हें दर्शकों के दिलों में अमर बना दिया। कानन देवी ने न केवल अभिनय और गायिकी में नाम कमाया, बल्कि 'श्रीमती पिक्चर्स' और 'सव्यसाची कलेक्टिव' जैसी संस्थाएं स्थापित कर महिलाओं के लिए फिल्म निर्माण में नई राह बनाई। पद्मश्री और दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित कानन देवी की कहानी साहस, कला और समर्पण की मिसाल है।

पश्चिम बंगाल के हावड़ा में 22 अप्रैल, 1916 को जन्मीं कानन ने गरीबी से संघर्ष करते हुए प्रतिभा के दम पर सिनेमा जगत में शोहरत हासिल की। उनका बचपन बहुत गरीबी में बीता। हालांकि, पिता की मौत के बाद उन्हें और उनकी मां को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। बताया जाता है कि उन्होंने अपने रिश्तेदारों के घर में नौकरानी के रूप में काम किया। जब कानन

10 साल की थीं तो उन्हें अपने एक दोस्त की मदद से मूक फिल्मों में काम करने का मौका मिला। उनकी पहली फिल्म जॉयदेव (1926) थी, जिसमें उन्हें केवल पांच रुपए मिले और यहीं से उनका फिल्मी सफर शुरू हुआ। कानन ने मूक फिल्मों से शुरुआत की और बोलती फिल्मों में अपनी अदाकारी से छाप छोड़ी। उन्होंने अपने फिल्मी करियर में 'जोरेबरात' (1931), 'मां' (1934), और 'मनोमयी गर्ल्स स्कूल' (1935) जैसी फिल्में कीं, जिन्होंने उन्हें शोहरत दिलाई। उनकी लाइफ का टर्निंग प्वाइंट उस समय आया, जब वह कोलकाता के 'न्यू थिएटर्स' के साथ जुड़ीं। इससे उनकी शोहरत में और भी इजाफा हुआ।

'मुक्ति' (1937) और 'विद्यापति' (1937) जैसी फिल्मों में उनके अभिनय और गायन ने उन्हें सुपरस्टार बना दिया। 'साथी' (1938), 'सपेरा' (1939), 'लगन' (1941) और 'जवाब' (1942) जैसी फिल्मों में उनके अभिनय को बहुत सराहा गया। उनकी लोकप्रियता इतनी थी कि उन्हें भीड़ से बचाने के लिए सुरक्षा की जरूरत पड़ती थी। कानन की आवाज उनकी सबसे बड़ी ताकत थी।

शुरू में बिना ट्रेनिंग के उन्होंने गायिकी में हाथ आजमाया, लेकिन बाद में उस्ताद अल्ला रक्खा और भीष्मदेव चटर्जी जैसे गुरुओं से संगीत सीखा। उन्होंने रवींद्र संगीत, नजरुल गीति और कीर्तन में महारत हासिल की। न्यू थिएटर्स के संगीतकार राय चंद बोराल ने उनकी हिंदी उच्चारण को बेहतर बनाने में मदद की। उनके गाने जैसे 'है तूफान मेल' (फिल्म जवाब, 1942) बहुत मशहूर हुए।

'स्ट्रीट फाइटर' फिल्म से हॉलीवुड में पदार्पण करेंगे विद्युत जामवाल

लॉस एंजिलिस/भाषा। अभिनेता विद्युत जामवाल 'स्ट्रीट फाइटर' के साथ हॉलीवुड में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं। यह फिल्म स्टूडियो 'लीजेंडरी' के इसी नाम से लोकप्रिय एक वीडियो गेम का रूपांतरण होगी।

मनोरंजन समाचार वेबसाइट 'डेडलाइन' की रिपोर्ट के अनुसार, 'कमांडो', 'खुदा हाफिज' और 'बादशाहो' जैसी प्रमुख एक्शन फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले 44 वर्षीय अभिनेता आने वाली फिल्म में एंड्रयू कोजी, नोआ सेंटीनो, जेसन मोमोआ, कैलिना लियांग, रोमन रेन्स, ऑरविल पेक, कोडी रोड्स, एंड्रयू शुल्ज और डेविड डस्टमलचियन जैसे सितारों के साथ दिखाई देंगे।

'स्ट्रीट फाइटर' की शुरुआत 1987 में जापानी कंपनी कैपकॉम

के एक 'आर्केड गेम' के रूप में हुई थी और 1991 में 'स्ट्रीट फाइटर खग' के साथ यह पॉप संस्कृति के शिखर पर पहुंच गया। जिसने आमने-सामने (वन-टू-वन) के खेल में क्रांति ला दी।

यह एक आमने-सामने का 'फाइटिंग गेम' है। जिसमें खिलाड़ी एक किरदार, एक मार्शल आर्टिस्ट या एक अनोखी 'फाइटिंग' शैली वाले 'फाइटर' का चयन करते हैं और मुक्कों, किक, विशेष चालों और 'कॉम्बो' का उपयोग करके विरोधियों से लड़ते हैं।

गेम का सबसे हालिया संस्करण 'स्ट्रीट फाइटर 6' जून 2023 में रिलीज़ हुआ और इसी वर्ष उसने गेम अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ 'फाइटिंग गेम' का पुरस्कार भी जीता।

फिल्म में जामवाल दलसिम की भूमिका निभाएंगे जो आग उगलने की क्षमता वाला एक योगी है और मूल रूप से शांत होने के बावजूद अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए लड़ता है।

'बेड ट्रिप' और 'आर्डवार्क' जैसी फिल्मों के लिए प्रसिद्ध किताओ सकुराई इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। जिसका निर्माण अगस्त में ऑस्ट्रेलिया में शुरू होगा।

फिल्म बनाएंगी 'मिर्जापुर की गोलू', बोलीं- विषय मेरे दिल के करीब

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अपने बेहतरीन अभिनय के लिए जानी जाती हैं, लेकिन वेब सीरीज 'मिर्जापुर की गोलू' अब नए रोल में दिखेंगी। 'मुझे जान न कहो मेरी जान' फिल्म के जरिए बतौर निर्माता नई पारी की शुरुआत करने जा रही हैं। यह फिल्म एक समलैंगिक प्रेम कहानी है। इस फिल्म में अभिनेत्री 'तिलोत्तमा शोम' महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। फिल्म का निर्देशन संजय नाग करेंगे। फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिरी महीनों में शुरू हो सकती है। अभिनेत्री ने फिल्म को अपने दिल के बेहद करीब बताया। उन्होंने कहा, यह फिल्म मेरे दिल के करीब सिर्फ इसलिए नहीं है कि मैं इस फिल्म के जरिए प्रोड्यूसर के तौर पर शुरुआत कर रही हूं, बल्कि इसलिए भी है क्योंकि इसकी कहानी से हम दुनिया के सामने समलैंगिक प्रेम कहानियों को ईमानदारी और सुंदरता के साथ पर्दे पर पेश कर सकेंगे।

श्वेता ने अभिनेत्री तिलोत्तमा शोम की तारीफ करते हुए कहा, वह ऐसी कलाकार हैं, जो अपने अभिनय से फिल्म को और भी खास बना देंगी। उन्होंने आगे कहा, वह अद्भुत अभिनेत्री हैं, साथ ही एक ऐसी शख्सियत भी हैं, जिनका मैं दिल से सम्मान करती हूं और उन पर आंख बंद करके भरोसा भी करती हूं। हम काफी समय से साथ में काम करने के बारे में सोच रहे थे और इस बेहतर प्रोजेक्ट से शुरुआत करना वाकई शानदार रहा। पिछले महीने, अभिनेत्री श्वेता ने ब्रिटिश नाटक 'काक' के मंचन के जरिए बतौर थिएटर निर्माता अपनी शुरुआत की थी। इस नाटक का प्रीमियर 6 जून को दिल्ली और 10 जून को मुंबई के पृथ्वी थिएटर में हुआ था। अभिनेत्री ने इसे अपनी थिएटर प्रोडक्शन कंपनी 'ऑल माई टी'

के तहत निर्मित किया था। इसमें रिताशा राठौर, तन्मय धनानिया, साहिर मेहता और हर्ष सिंह ने अभिनय किया था। श्वेता के करियर पर नजर डालें तो उन्होंने मुंबई के एक पोस्ट-प्रोडक्शन हाउस 'पिक्सियन ट्रेलर हाउस' में काम किया था। इसके बाद उन्होंने 2009 में डिज्नी चैनल के शो 'क्या मस्त है लाइफ' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था, लेकिन असल पहचान उन्हें फिल्म 'मसान' से मिली, जिसमें उन्होंने अभिनेता विक्की कौशल की प्रेमिका की भूमिका निभाई थी।

वह टीवी सीरीज 'द ट्रिप' का हिस्सा रह चुकी हैं। साथ ही उन्होंने श्रवण राजेंद्रन द्वारा निर्देशित तमिल फिल्म 'मेहंदी सर्कस' में भी काम किया। अभिनेत्री भारत की पहली फीचर-लेंथ फिल्म 'जू' का भी हिस्सा थीं। इस फिल्म को पूरी तरह से आईफोन पर शूट किया गया था। अभिनेत्री को आखिरी बार स्क्रीन पर विपुल मेहता की निर्देशित फिल्म 'कंजूस मक्खीचूस' में देखा गया था। फिल्म में कुणाल खेमू, पीयूष मिश्रा, अलका अमीन, राजीव गुप्ता और राजू श्रीवास्तव थे।

दर्शकों के प्यार में डूबीं सारा अली खान

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सारा अली खान ने हाल ही में रिलीज हुई रोमांटिक फिल्म मेट्रो...इन दिनों में अपने किरदार 'चुमकी' को भरपूर प्यार देने के लिए दर्शकों का शुक्रिया अदा किया। अभिनेत्री सारा अली खान ने फिल्म 'मेट्रो...इन दिनों' के पर्दे के पीछे की कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, आभारी, धन्य और बहुत-बहुत खुश हूं। आपने हमारी फिल्म को जो प्यार दिया उसके लिए शुक्रिया और चुमकी को स्वीकार करने और प्यार करने के लिए भी शुक्रिया। इससे पहले, आईएएनएस के साथ एक विशेष बातचीत के दौरान, सारा ने खुलासा किया था कि निर्देशक अनुराग बसु का फिल्म बनाने का स्टाइल हैरान करने वाला है। वह अपने कलाकारों को भरपूर स्पेस देने में विश्वास रखते हैं और इसी वजह से उनकी फिल्मों में अभिनय करते हुए कुछ 'मैजिक मोमेंट्स' अपने आप आ जाते हैं। अभिनेत्री ने कहा, मुझे लगता है कि जब आप खुद को पूरी तरह आजाद करने लगते हो, तो कुछ आश्चर्यजनक घटनाएं घटित होने

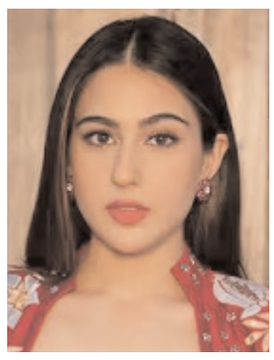

लगती हैं, जिसे अनुराग बसु 'मैजिक' कहते हैं। हमने खुद को पूरी छूट थी और पूरी तरह वर्तमान पल में डूब गए। इससे शूटिंग का माहौल भी ऊर्जावान और सकारात्मक रहता था। पूरा सेट जैसे जीवंत हो जाता है और हम पूरी तरह अपने अभिनय में तल्लीन हो जाते थे।

'मेट्रो इन दिनों' साल 2007 में रिलीज हुई 'लाइफ इन ए मेट्रो' का सीक्वल है। 'लाइफ इन ए मेट्रो' में धर्मेंद्र, नफीसा अली, शिल्पा शेट्टी, के.के. मेनन, शायनी आहूजा, इरफान खान, कोंकणा सेन शर्मा, कंगना रनौत और शरमन जोशी नजर आए थे।

'धड़क 2' में सिद्धांत चतुर्वेदी का अभिनय देख भावुक हुईं तृप्ति डिमरी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी इन दिनों 'धड़क 2' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में वह सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ नजर आएंगी। एक्ट्रेस ने कहा कि सिद्धांत ने फिल्म में जो अभिनय किया है, उसे देख वह भावुक हो गईं। तृप्ति डिमरी ने सिद्धांत चतुर्वेदी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि सिद्धांत ने फिल्म में बहुत अच्छे से अपनी भावनाओं को दिखाया है, जिसे देख वह खुद भी भावुक हो गई। उनका अभिनय बहुत गहरा और शानदार है। वह बहुत ही मेहनती और ईमानदार अभिनेता हैं।

तृप्ति डिमरी ने कहा, सच कहूं, तो फिल्म में सिद्धांत के साथ काम करना काफी अच्छा अनुभव था। वह बहुत ही मेहनती और ईमानदार अभिनेता हैं। उन्होंने दिलोजान से अपना किरदार निभाया है। जब मैंने पहली बार फिल्म देखी, तो मैंने तुरंत उन्हें फोन किया और कहा, 'यह तुम्हारे करियर का अब तक का सबसे बेहतरीन अभिनय है।' मैं सच

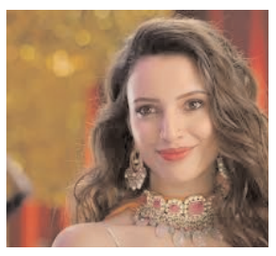

में उम्मीद करती हूं कि दर्शक भी इसे महसूस करेंगे। उन्होंने निलेश के किरदार को गहराई और सच्चाई के साथ उतारा है।

जब उनसे पूछा गया कि उन्हें इस फिल्म में क्या खास बात लगी, तो एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें सबसे ज्यादा कहानी का भावुक पहलू और अपने किरदार की जटिलता ने आकर्षित किया। तृप्ति ने कहा, जब मैंने पहली बार शाजिया से कहानी सुनी थी, तो मेरे मन में कई सवाल उठे, सिर्फ फिल्म के बारे में ही नहीं, बल्कि उसके विषय के बारे में भी। मुझे कहानी से एक गहरा जुड़ाव महसूस हुआ। घर पर भी मैं बार-बार उस कहानी, उस दुनिया और खासकर वेधी के बारे में सोचती रही, मैं यही किरदार निभा रही हूं। ये सब सवाल मेरे मन में चल रहे थे। तभी मुझे एहसास हुआ कि यह एक अहम किरदार है, इसे करना सही फैसला होगा, इसकी कहानी को लोगों तक पहुंचाया जाना चाहिए।''

उन्होंने आगे कहा, ''जब आप पहली बार किसी डायरेक्टर से मिलते हैं, तो आप आसानी से महसूस कर सकते हैं कि वह अपने विषय को कितना गंभीरता से लेता है।

मुझे शाजिया में वही ईमानदारी महसूस हुई। वह काफी खुले विचारों वाली हैं। उनके शब्दों में ताकत है। मैं सच में उनकी सोच का हिस्सा बनना और उनके निर्देशन में काम करना चाहती थी।'' शाजिया इकबाल के निर्देशन में बनी फिल्म 'धड़क 2' 2018 की हिट फिल्म 'धड़क' का सीक्वल है। पहली फिल्म में ईशान खट्टर और जाह्नवी कपूर मुख्य भूमिका में थे। 'धड़क 2' 1 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | गुरुवार | 17-07-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चितामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी ने बुधवार को अपने प्रवचन में कहा कि जैन कर्म-सिद्धान्त के अनुसार कर्म अपना फल देने में स्वतन्त्र हैं, परतन्त्र नहीं।

आरआर नगर में नौ रंगी तप अभिनंदन समारोह से शुरू हुआ भिक्षु चेतना वर्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ भवन राजराजेश्वरीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी पुण्ययशाजी के सान्निध्य में भिक्षु चेतना वर्ष के शुभारंभ के अवसर पर नौ रंगी तप में भाग लेने वाले 91 तपस्वियों का तप अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें साध्वी पुण्ययशाजी की सहयोगी साध्वी विनितयशाजी सहित 21 तपस्वियों ने नौ, आठ, ग्यारह और तेरह की तपस्या के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। साध्वी पुण्ययशाजी ने कहा कि दो अक्षर का एक छोटा सा शब्द 'तप' है। जिसकी शब्द संरचना जितनी लघु है उसका कार्य उतना ही महान है। भगवान महावीर ने तप को मोक्ष का एक मार्ग बताया है।

अणु से भी कई गुणा शक्ति तप में होती है। तपस्या से जन्म-जन्म के कर्म क्षीण हो जाते हैं। नौ रंगी में भाग लेने वाले सभी तपस्वियों ने आत्मबल, मनोबल, गुरुबल से तप में चार चांद लगाए है। तप एक प्रकार की औषध है। अनेकों रोगों का उपचार तप द्वारा होता है। तप से शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक एवं आध्यात्मिक सिद्धियां और शक्तियां जागृत होती है। साध्वी वर्धमानयशाजी के मंगलाचरण से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ ।

महासभा के प्रकाश लोढ़ा, सभा के पूर्व अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़, तेयुप के अध्यक्ष विक्रम महेर, महिला मंडल की अध्यक्ष मंजु बोथरा, जितेन्द्र घोषल एवं तपस्वियों के परिवार वालों ने तप अनुमोदना की। सभी तपस्वियों का सम्मान अभिनंदन पत्र, जैन पट्ट एवं साहित्य से किया गया। साध्वी बोधिप्रभा जी ने मंच का संचालन किया। सम्मान समारोह का संचालन मंत्री गुलाब बाँठिया ने किया तथा दिनेश मरोठी ने धन्यवाद दिया ।

संत दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु के भारतीय जैन संगठन द्वारा मैसूरु में विराजित सभी साधु साध्वियों के दर्शन की श्रृंखला में बुधवार को तेरापंथ सभा भवन में विराजित साध्वीश्री सिद्धप्रभा जी व महावीर भवन में विराजित आचार्यश्री उदयप्रभसूरीश्वरजी म.सा. के दर्शन किए। सभी साधु साध्वियों को संस्था की गतिविधियों ने अवगत कराया तथा संतों से ज्ञान चर्चा की। इस मौके पर कर्नाटक के मुख्य सचिव प्रकाश गुलेच्छा, मैसूरु बीजेएस के अध्यक्ष राजन बाघमार, मुख्य सचिव दीपक बोहरा, क्षेत्रीय अध्यक्ष सुखराज विनायकिया, पूर्व अध्यक्ष विमल पितलिया, कोषाध्यक्ष मनोहर सांखला, उपाध्यक्ष नेमीचंद बडोला, सचिव नवरत्न पितलिया, प्रकाश गांधी, महिला विंग की अध्यक्ष शर्मिला धोका सचिव सीमा बोहरा, उपाध्यक्ष: संतोष सालेचा आदि उपस्थित थे।

संयमी साधु-संतों के दर्शन से कष्ट नष्ट हो जाते हैं : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। बुधवार को राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि जैन परंपरा में एक से बढ़कर एक, हजारों त्यागी वैरागी साधु-संतों का आविर्भाव हुआ। करोड़ों अरबों की मिलकत छोड़कर भी उत्तम आत्माएं संयमी बनी।

श्वेतांबर मूर्तिपूजक परंपरा में सागर समुदाय के आचार्य कैलाससागरसूरीश्वर भी ऐसी ही एक विरल साधक आत्मा थी। जिनके आभामंडल की दिव्य औरा में चिंता, व्यथा, अशांति, पीड़ा, दुःख, सब दूर हो जाते थे। जो जैन आगमों के साथ साथ षड्दर्शन के ज्ञाता थे। पंजाब लुधियाना में जन्म लेकर जो लाहौर यूनिवर्सिटी से स्नातक बने थे। संस्कृत, प्राकृत, हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू और प्राच्य भाषाओं के जो मूर्धन्य विद्वान थे। राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र में जिन्होंने अपनी त्यागमयी संयमी जीवनचर्या से गांव-गांव धर्म जागरण किया था। जैन ही नहीं, हजारों अजैन भी उनके भक्त थे।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि संयम सर्वश्रेष्ठ साधना है। आत्मनियंत्रण से बढ़कर इस संसार में कोई शाश्वत उपलब्धि नहीं है। लोग सर्वस्व प्राप्त करने के लिए दिन-रात भागते हैं, जबकि संयमी सब-कुछ छोड़कर, आत्मनियंत्रित निष्पाप जीवन जीने में प्रसन्नता की अनुभूति करता है। भोग और योग, संसार के दो किनारे हैं। एक में अपार भूख है, दूसरे में परम परितृप्ति है। पाप प्रवृत्तियों से दूर रहते हुए त्याग-वैराग्य के पथ पर गति करना संयम है। ऐसा जीवन देवताओं को भी दुर्लभ है। अपना देश भारत ऐसे त्यागी-वैरागी संयमी साधु-संतों की साधना भूमि है। यह भौतिकवादी नहीं, आध्यात्मिकता का पैरोकार रहा है। ऐसे संयमी साधु-संतों की उपस्थिति मात्र से धरा तीर्थ बन जाती है। उनके अनुग्रह से संकट टल जाते हैं, कष्ट नष्ट हो जाते हैं। जहां भी संयमी साधु-संतों की कृपादृष्टि पड़ती हैं, वहां के दुःख दूर हो जाते हैं।

इस अर्थ में गुरुतत्व जीवन और संसार का सौभाग्य है। जैन संघ के विनोद फोलामुथा ने बताया कि बुधवार को कषाय जय तप में सभी चार सौ साधकों ने दूसरे चरण का एकासना कर मंत्रजाप किए। हुब्बली, कोप्पल, हरपनल्ली, बैंगलोर, बल्लारी, रायचूर, लक्ष्मीसर, मुंडरगी, पुणे आदि अनेक क्षेत्रों के श्रद्धालु बुधवार को गुरु दर्शनार्थ उपस्थित थे।

संत दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के हनुमंतनगर महिला मंडल की नवमनोनीत अध्यक्ष संगीता तातेड़ ने अपनी कार्यकारिणी समिति के साथ विजयनगर में विराज रही साध्वीश्री संयमलताजी के दर्शन किए तथा आशीर्वाद लिया। इस मौके पर अभातेममं की कार्यकारिणी सदस्या शशिकला नाहर, विजयनगर की निवर्तमान महिला अध्यक्ष मंजू जैन, हनुमंतनगर की पूर्व महिला अध्यक्ष मंजु दक, प्रचार प्रसार मंत्री राजुल चोपड़ा, निवर्तमान अध्यक्ष सरोज दुगड़ एवं मंत्री मीनाक्षी देरासरिया उपस्थित थीं।

गुणष्टि रखकर गुणग्राही बनें : साध्वी हर्षपूर्णाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि हमारे जीवन की संध्या कभी भी हो जाएगी उससे पहले हमें अपूर्ण से पूर्ण बनना है। शरीर, पदार्थ सभी अपूर्ण है। हमें पूर्णता को प्राप्त करना है। हमारी इंद्रियां शिथिलता को प्राप्त करें उससे पहले हमें संसार के मोह, विषय-वासना को शिथिल कर लेना चाहिए। जो पुदगल क्षणभंगुर है, नाशवान है उनके पीछे हम भागते हैं। लेकिन जो आत्मा के शाश्वत गुण अनंत ज्ञान, अनंत दर्शन, अनंत चारित्र, अनंत तप, अनंत वीर्य आदि हैं उनके प्रति हम उदासीन रहते हैं। हमें गुण दृष्टि रखते हुए गुणग्राही बनना चाहिए। पुण्योदय से धन तो

मिल सकता है लेकिन गुण नहीं मिल सकते हैं। गुण तो हमें संस्कारों से ही प्राप्त हो सकते हैं।

पुस्तकों से बाह्य विद्वान तो बन सकते हैं, लेकिन गुरुगम्य से ही गुण सम्पन्न बन सकते हैं। हमें गुणग्राही दृष्टि रखकर गुणवान बनना चाहिए। इस जगत की समस्त आत्माएं गुणवान है लेकिन उन आत्म गुणों पर अज्ञान का आवरण चढ़ा हुआ है। कर्मजन्य संयोग के कारण हमारी आत्मा को अपूर्ण माना है लेकिन आत्मा तो पूर्ण है। ज्ञानसूर्य पर अंधकार का आवरण चढ़ गया है, हमें उसे दूर करना है।

'चिंतन से जीवन परिवर्तन होता है और परिवर्तन ही प्रगति का कारण है'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जयनगर जैन स्थानक भवन में विराजित साध्वीश्री कंचनकंवरजी की निश्रा में साध्वीश्री दिव्ययशाजी ने कहा कि आज सारा संसार-परचिंता की परिक्रमा कर रहा है। चिंतन से जीवन परिवर्तन होता है और परिवर्तन ही प्रगति का कारण है। इन्सान-चितंन की शक्ति से सम्पन्न है। व्यक्ति की दृष्टि 'पर' में जाकर टिकती है। व्यर्थ में उलझती है। यह चिंतन नहीं, बल्कि चिंता है, बहिर्मुखी चितंन है। अधिकांश चितंन बहिर्मुखी होता है। चिंता चिता के समान होती है। चिंतन से समाधान मिलता है। संतोष होता है। आनंद की अपूर्व अनुभूति होती है। साध्वीश्री ने कहा कि आत्मचिंतन-जीवन का ग्राफ प्रदर्शित करता है। जब तक चितंन नहीं होता है, तब तक व्यवहार एवं आचरण में सुधार, परिवर्तन नहीं आता है। संवर, सामायिक करने पर भी समता व समाधि नहीं है तो साधना में अधूरापन है। वह अधूरापन दूर होता है आत्मचिंतन से। बचपन नादान है, बुढ़ापा लाचार है। बीच की जिंदगी में अगर धर्म नहीं किया, सचिंतन नहीं किया तो जीवन ही बेकार है। साध्वीश्री मलयाश्रीजी ने बताया कि आचारण सूत्र के प्रथम श्रुतस्कन्ध में भगवान महावीर ने कहा है कि कर्मसमारंभ को सबसे पहले जानो और उससे निवृत्त होने का प्रयास करना है। पापप्रवृत्ति को धीरे धीरे कम करना है। प्रचार प्रसार मंत्री सागर बाफना ने बताया कि गुरुवार से आठ दिवसीय कार्यक्रम, आनंदऋषिजी की जयंती के अवसर पर एकासन, आयंबिल और तेला की तपस्या एवं सहजोड़े जाप के साथ आयोजित किया जाएगा । संघ के मंत्री पदमचन्द बोहरा ने सभी का स्वागत किया।

एयरोस्पेस उद्योग को आंध्र प्रदेश में आमंत्रित किए जाने पर कर्नाटक के मंत्री ने दी प्रतिक्रिया

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री एम. बी. पाटिल ने यहां प्रस्तावित एयरोस्पेस पार्क के लिए भूमि अधिग्रहण रद्द किए जाने के बाद आंध्र प्रदेश सरकार के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए बुधवार को कहा कि राज्य सिर्फ जमीन की पेशकश नहीं करता, बल्कि भारत का नंबर एक एयरोस्पेस व रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र भी प्रदान करता है। कर्नाटक सरकार ने किसानों के 1,198 दिन तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद मंगलवार को यहां देवनहल्ली तालुका में 1,777 एकड़ जमीन अधिग्रहण की योजना वापस ले ली। किसानों ने दावा किया था कि यह जमीन उपजाऊ है।

जिनवाणी हम कान से नहीं, प्राण से सुने : साध्वीश्री इन्दुप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि जिन्हें अपनी गति की चिंता होती है वे कभी गलती नहीं करते हैं। गति सुधारने का सुगम मार्ग यही है कि साधक ज्ञान दर्शन चारित्र और तप की सम्यक आराधना करे। हम यहां अल्प समय के लिए ही आए हैं और समझदार अल्पकालीन यात्रा में ज्यादा पसारा नहीं करता हैं। हमें यहां से जाना है याद रखें और समझदारी पूर्वज अवसरों का उपयोग कर लेवें। जिनवाणी का सहारा हमें मिल गया है। जिनवाणी हम कान से नहीं, प्राण से सुने। जीवन में विनय बढ़ाएं और अहंकार से स्वयं को मुक्त रखें। प्रवचन के प्रारंभ में साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि चातुर्मास पानी और वाणी का संगम प्रसंग है। पानी से जगत में हरियाली बढ़ती है तो वाणी से आत्मा अधिक उपजाऊ बनती है। जैसे तरुण पुरुष को राग रंग में, भूखे को खीर भोजन में और अनपढ़ को पढ़ाई का अवसर मिलने पर आनंद की अनुभूति होती है वैसी ही अनुभूति हमे प्रभु वाणी सुन कर होनी चाहिए। जिनवाणी को आयना बना कर हमे स्वयं का निरीक्षण करना चाहिए कि हम दिखावे में जी रहे हैं या हकीकत में। प्रवचन सभा में शांत क्रांति संघ के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। संघ मंत्री अभयकुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगलपाठ सुनाया।

तप में तपने वाला तपस्वी कालजयी बनता है : साध्वीश्री पावनप्रभा

केजीएफ/दक्षिण भारत। स्थानीय तेरापंथ सभा भवन में साध्वी श्री पावनप्रभाजी के सान्निध्य में तप अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने कहा कि तप में त्याग और छोड़ने की वृत्ति होती है, इसलिए उनका अभिनंदन होता है। तप में काया को कसा जाता है।भारत में दो प्रकार के संस्कृतियां है उपभोगवाद व आध्यात्मवाद। जो उपभोगितावाद के होते हैं वे आध्यात्मवाद के रस को नहीं जान सकता और त्याग के महत्व को नहीं पहचान सकते। तपस्या में कोई आडम्बर नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि साध्वीश्री रम्यप्रभाजी भी तपस्या की लड़ी से जुड़ गई है। साध्वी श्री उन्नतयशाजी ने क़हा कि

जो अग्नि में जला वो क्षण में खीरा(अंगार) बना व जिसने तप से शरीर को तपाया वो कालजयी बन गया। सभा के अध्यक्ष सुदर्शन बांठिया ने सभी का स्वागत किया। महिला मंडल की अध्यक्ष सरिताबाई बांठिया, दर्शिता बांठिया, नमिता भंसाली, युवक परिषद के अध्यक्ष चेतन बांठिया कमलेश हिंगड, संदीप बांठिया सभी तपस्वियों की तप अनुमोदना की। साध्वी उन्नतयशाजी से संचालन किया। सभा के मंत्री सुशील बांठिया ने आभार व्यक्त किया।

आत्मा ही कर्मों की कर्ता और भोक्ता है : आचार्यश्री प्रभाकरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी ने बुधवार को अपने प्रवचन में कहा कि जैन कर्म-सिद्धान्त के अनुसार कर्म अपना फल देने में स्वतन्त्र हैं, परतन्त्र नहीं। इस मान्यता के अनुसार बँधे हुए कर्म अपनी स्थिति पूर्ण होने पर स्वयं उदयावस्था में आकर अपना फल प्रदान करते हैं। कर्मों के फलदान का अर्थ विपाक है। 'विपाक यानी विशिष्ट पाक' जो कि बाह्य परिस्थितियों एवं आन्तरिक शक्तियों की अपेक्षा रखकर अपना फल देते हैं। इसे दूसरे शब्दों में कहें कि द्रव्य, क्षेत्र काल एवं भाव की अपेक्षा रखकर ही कर्म अपना फल देते हैं। कर्मों का फल कषायों की तीव्रता एवं मन्दता पर निर्भर करता है। जिस प्रकार भोजन शीघ्र न पचकर, जठराग्नि की तीव्रता मन्दता के अनुसार पचता है, उसी प्रकार कषायों की तीव्रता व मन्दता के अनुरूप ही शुभाशुभ कर्मों का फल मिलता है। तीव्र कषायों के साथ बँधे हुए अशुभ कर्मो का फल तीव्र तथा अधिक मिलता है। मन्द कषायों के साथ बँधने वाले कर्मों का फल मन्द और अल्प मिलता है। शुभाशुभ परिणामों के प्रकर्षापकर्ष के अनुरूप ही कर्मों का शुभाशुभ फल मिलता है। यह कोई अनिवार्य नहीं कि कर्म अपनी स्थिति पूर्ण होने पर ही फल दे। जिस प्रकार आम आदि फलों को विशेष प्रकार के साधनों द्वारा पकाकर समय पूर्व ही रसदार बना लेते हैं, उसी प्रकार स्थिति पूर्ण होने के पूर्व ही विशेष तपश्चरण आदि के द्वारा, कर्मों को पका देने पर, वे अपना फल असमय में भी देते हैं।

आचार्य श्री ने कहा की एक समय में बँधे हुए कर्म एक साथ फल नहीं देते, बल्कि अपने-अपने उदय क्रमानुसार ही अपना फल प्रदान करते हैं। कर्म अपने अवान्तर-भेदों में परिवर्तित हो सकते हैं। जैसे साता वेदनीय कर्म असाता वेदनीय रूप फल दे सकता है अथवा शुभ नाम-कर्म अशुभ नाम-कर्म रूप फल दे सकता है, किन्तु चारों आयु कर्म, दर्शन मोहनीय और चरित्र मोहनीय इसके अपवाद हैं। वे अपना फल स्वमुख से ही देते हैं, अर्थात एक आयु दूसरी आयु रूप नहीं हो सकते।

इसी प्रकार दर्शन-मोहनीय और चरित्र-मोहनीय परस्पर बदलकर अपना फल प्रदान नहीं कर सकते। समत्व की साधना के लिए व्यक्ति को कर्म सिद्धांत पर अटूट आस्था रखते हुए जान लेना चाहिए कि आत्मा ही कर्मों की कर्ता और आत्मा ही कर्मों की भोक्ता है। जितने भी सुख अथवा दुख जीवन में आ रहे हैं, वे सब कर्मों के अधीन हैं। सभा में मुनि महापद्मविजयजी, पद्मविजयजी, साध्वी तत्वत्रयाश्रीजी, गोयमरत्नाश्रीजी व परमप्रज्ञाश्रीजी आदि उपस्थित थे।

सुख, शांति, समाधि, संपत्ति सब कुछ पुण्य के अधीन है : मुनिश्री आर्यशेखरविजय

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के चिकपेट स्थित आदिनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री आर्यशेखरविजयजी ने अपने प्रवचन में कहा कि मेहनत से ही सब कुछ मिलता होता तो मजदूर सबसे बड़ा धनवान होता, बुद्धि से ही सब कुछ होता तो पंडितों के पास सबसे ज्यादा संपति होती परन्तु सत्य यह है कि सुख, शांति, समाधि, संपत्ति सब कुछ पुण्य के अधीन है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति का संकल्प बुलंद होना चाहिए। बाह्य जगत में सत्ता और साम्राज्य पाने के लिए साधना करनी पड़ती है तो आंतरिक दुश्मनों पर विजय प्राप्त करने के लिए भी साधना जरूरी है। क्रोधी व्यक्ति से हमेशा

दूर रहना चाहिए। संतश्री ने कहा कि जो भी मिला है हमें वो दादा आदिनाथ प्रभु की कृपा से मिला है। मंदिर में आते है तो हम दादा की कृपा प्राप्त करने आते है।

एमडीआरटी बीमा अभिकर्ता कौंसिल की बैठक सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के अग्रणी जैन एमडीआरटी बीमा अभिकर्ता कौंसिल की बैठक होटल में सम्पन्न हुई। बैठक में अतिथि वक्ता के रूप में मुम्बई एमडीआरटी के रवि राजपाल ने कहा कि आप सभी टॉप के एडवाइजर हो तो आपका कर्तव्य है कि आप अपने आसपास सभी लोगों की जीवन का मूल्य करते हुए बीमा बनाए, ताकि अगर कोई अनहोनी हो जाए तो परिवार कोअ आर्थिक नुकसान की भरपाई हो सके। उन्होंने अपने अनुभव साझा किए। इस बैठक में दिनेश खिंवेसरा, रूपचंद कुमट, दिनेश परमार, प्रवीण मेहता, दिनेश देसरला, तरुण वोटावत, जितेंद्र जैन आदि उपस्थित थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com